Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 129 जयपुर, शनिवार, 12 अक्टूबर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

उमर अब्दुल्ला ने एलजी से मुलाकात की, 16 अक्टूबर को शपथ ग्रहण संभव

जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने के लिए पार्टियों के समर्थन पत्र सौंपे

संजीवनी टुडे

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार रात करीब 8 बजे श्रीनगर में राजभवन जाकर एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में क्रग.कक्रइ ब्लॉक की सरकार बनाने का दावा पेश किया। एलजी से मुलाकात के बाद उमर ने कहा- मैंने एलजी से मुलाकात की और कांग्रेस, एघ्क्र (ख्र), इइघ और निर्दलीयों से मिले समर्थन पत्र सौंपे। मैंने उनसे शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय करने का अनुरोध किया ताकि सरकार काम करना शुरू कर सके। उन्होंने कहा- यह एक लंबी प्रक्रिया होगी क्योंकि यहां केंद्र का शासन है। एलजी पहले राष्ट्रपति भवन और फिर गृह मंत्रालय को दस्तावेज भेजेंगे। हमें बताया गया है कि इसमें 2-3 दिन लगेंगे। इसलिए अगर यह मंगलवार से पहले होता है, तो हम बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह करेंगे, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस सरकार में जम्मू की अनदेखी नहीं की जाएगी। भाजपा ने 29 सीटें जीतीं, पीडीपी को सिर्फ 3 सीटें मिलीं 8 अक्टूबर को आए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव रिजल्ट में भाजपा ने 29 सीटें जीती। पार्टी को पिछले चुनाव के मुकाबले 4 सीटों का फायदा हुआ है। हालांकि जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नौशेरा सीट से गए कैंडिडेट से करीब 8 हजार वोटों से हार गए।

10 अक्टूबर को विधायक दल का नेता चुने गए थे उमर

10 अक्टूबर को एनसी के विधायक दल की बैठक हुई थी। मीटिंग में नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया था। मीटिंग में तय किया गया था कि राज्य सरकार में कोई डिप्टी एख्र नहीं होगा नेशनल कांफ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ी कांग्रेस को डिप्टी स्पीकर का पद मिल सकता है। कांग्रेस की ओर से डूरू सीट से विधायक जीए मीर या प्रदेश अध्यक्ष और सेंट्रल शाल्टेंग के विधायक तारिक हामिद कर्रा में किसी एक को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल सकता है। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद हुए विधानसभा चुनाव में क्रग.कक्रइ ब्लॉक ने 49 सीटों पर जीत दर्ज की है। गठबंधन में शामिल नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस को 6 और एघ्क्र(ख्र) को एक सीट मिली। बहुमत का आंकड़ा 46 है। 7 निर्दलीय में से 4 ने नेशनल कांफ्रेंस को समर्थन देने का ऐलान किया। ये चार निर्दलीय- इंदरवल से प्यारे लाल शर्मा, छम्ब से सतीश शर्मा, सूरनकोट से मोहम्मद अकरम और बनी सीट से डॉ रामेश्वर सिंह हैं। इइघ्को भी एक सीट मिली है, उसका भी गए को समर्थन है।

स्टेटहुड मिलने तक इंडिया सरकार न बनाएं: राशिद

इंजीनियर राशिद ने कहा था- स्टेटहुड मिलने तक इंडिया सरकार न बनाएं 7 अक्टूबर को अवामी इत्तेहाद पार्टी के चीफ और बारामूला सांसद राशिद इंजीनियर ने कहा था कि जब तक जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिलता, तब तक इंडियर ब्लॉक, पीडीपी और अन्य पार्टियां राज्य में सरकार नहीं बनाएं। वे एकजुट बनीं रहें। उनके बयान पर उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि राशिद बीजेपी के हाथों में खेल रहे हैं। उनके सुझाव से बीजेपी को फायदा मिलेगा। ये व्यक्ति (राशिद) 24 घंटे के लिए दिल्ली जाता है और वापस आकर सीधे भाजपा के हाथों में खेल जाता है। भाजपा अगर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है तो वो यहां केंद्रीय शासन को आगे बढ़ाने के अलावा और कुछ नहीं चाहेगी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस-एनसी के गठबंधन में पीडीपी का समर्थन लिए जाने की बात समय से पहले की अटकलें हैं। पीडीपी ने समर्थन नहीं बढ़ाया है, समर्थन की पेशकश नहीं की है। उन्होंने पार्टी हाईकमान को अपना इस्तीफा भेजा। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी ने 3 सीटें जीती हैं। पिछले चुनाव में पार्टी को 28 सीटें मिली थीं। पहली बार चुनाव लड़ रहीं महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती श्रीगुफवारा बिजबेहरा सीट से करीब 9 हजार से ज्यादा वोटों से हारीं। जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी ने पहली बार जीत दर्ज की।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कैबिनेट मीटिंग छोड़ी

सीएम शिंदे से कहासुनी की खबर, अजित की सफाई- परमिशन लेकर बाहर आया था

संजीवनी टुडे

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सिर्फ 10 मिनट के भीतर ही कैबिनेट मीटिंग छोड़कर चले गए। मीटिंग 10 अक्टूबर को हुई थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, पवार के बैठक से चले जाने के बाद 38 फैसले लिए गए। यह भी दावा किया जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा चुनाव को लेकर कुछ सुझाव रखे, जिनसे अजित सहमत नहीं थे। इसे लेकर दोनों में नोक-झोंक हुई और फिर अजित मीटिंग छोड़कर चले गए। सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार ने बारामती से जुड़े कुछ प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजे थे। उन्होंने इनको मीटिंग में रखा। इसी बात से अजित नाराज हो गए और मंजूरी देने से इनकार कर दिया। अजित बारामती सीट से ही विधायक हैं। उनके पास वित्त मंत्रालय का जिम्मा है। वे पहले भी कैबिनेट के प्रस्तावों पर आपत्ति जता चुके हैं। अजित बोले- मुझे लातूर के लिए फ्लाइट पकड़नी थी अजित पवार ने इस मामले में कहा कि मैं सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से परमिशन लेकर मीटिंग से गया था। मेरी लातूर में मीटिंग थी। मुझे फ्लाइट पकड़नी थी, इसलिए मैं मीटिंग छोड़कर चला गया। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ अपने मतभेदों पर कोई

जवाब नहीं दिया। वहीं, एनसीपी सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि महायुति में कोई मतभेद नहीं है। कैबिनेट बैठक से जल्दी चले जाने को इससे जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। घटना ऐसे समय में हुई है, जब लोकसभा चुनाव में हार के बाद अजित पवार की गएघ्के महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना, एनसीपी) से अलग होने पर चर्चा हो रही है। आरएसएस के कई पदाधिकारी भी लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन को इस गठजोड़ का नतीजा मान रहे हैं। हाल ही में उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने भी कहा था कि गएघ्के वोट ट्रांसफर न होने से आम चुनाव में खराब प्रदर्शन रहा। चुनाव में महायुति गठबंधन 48 लोकसभा सीटों में से सिर्फ 17 सीटें ही जीत पाया। इनमें भाजपा को 9, शिवसेना को 7 और अजित पवार की एनसीपी को सिर्फ 1 सीट मिली थी।

किरोड़ीलाल से मिलने पहुंचे ट्रेनी एसआई, बोले-परीक्षा रद्द न हो

मंत्री किरोडी लाल मीणा बोले-मुझे कमेटी में शामिल करा दो, अकेला ही फैसला कर दूंगा

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकेडमी (आरपीए) में ट्रेनिंग ले रहे सब इंस्पेक्टर आज कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के आवास पर पहुंचे। मीणा से मुलाकात के दौरान ट्रेनी एसआई ने कहा कि हमने ईमानदारी से परीक्षा पास की है। आज सभी हमें शक की नजर से देखते हैं। केवल आप ही हमारा सम्मान और इज्जत बचा सकते हो। वहीं, ट्रेनी एसआई की बात सुनकर किरोड़ी ने कहा कि एसआई परीक्षा पर फैसला लेने वाली कमेटी में शामिल करवा दीजिए, अकेला ही फैसला ले लूंगा। हमें एडीजी वीके सिंह ने कहा था कि जिसने गलत नहीं किया। उसे डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन आज नौबत भर्ती परीक्षा के रद्द होने तक पहुंच गई है। इससे हमारी नींद उड़ी हुई है। हमारे परिवार वाले घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। दरअसल, एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में धांधली, पेपर लीक, डमी कैंडिडेट को लेकर एसआईटी अब तक 50 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं किरोड़ीलाल मीणा इस भर्ती को रद्द करने की मांग कर रहे थे। किरोड़ीलाल मीणा ने ट्रेनी एसआई से बात करते हुए कहा- आप सभी लोग मुझे कमेटी में शामिल करा दो, मैं अकेला ही फैसला करा दूंगा। ट्रेनी एसआई ने कहा- आपका स्टेटमेंट कमेटी के स्टेटमेंट से ऊपर है। आपने कह दिया

मानो सरकार ने कह दिया। हम नहीं जानते कि यह सब कैसे होगा, लेकिन हमें आपसे न्याय की उम्मीद है। हम सभी ने ईमानदारी से परीक्षा दी है। हमने कोई गलत काम नहीं किया। किरोड़ी ने कहा- तुम्हें यह सब एक महीने पहले बताना चाहिए था, लेकिन फिर भी मैं तुम्हारी बात सरकार के सामने रखूंगा। मैं हमेशा से ईमानदार और मेहनती लोगों के साथ रहा हूं। मेरी लड़ाई भ्रष्टाचार और पेपर माफिया के खिलाफ है। मेरी नौकरी लगने पर उन्हें उम्मीद थी कि मैं उन्हें पढ़ाऊंगी। अब इस स्टेज पर आकर ऐसा हो रहा है। आप ही बताइए क्या होगा मेरे परिवार का। दरअसल, मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद किरोड़ीलाल मीणा 29 सितंबर को कैबिनेट बैठक में शामिल हुए थे।

तीन महीने से घर नहीं गया, मेरी मां ने मजदूरी करके पढ़ाया

रेनवाल के रहने वाले ट्रेनी एसआई ने किरोड़ी से कहा- मेरी 5 साल की बेटी है। मैने उससे वादा किया था कि अगर थानेदार बनकर आऊंगा तो तुझे अच्छी साइकिल दिलाऊंगा। आज शर्म के चलते मैं 3 महीने से घर नहीं गया हूं। एक ट्रेनी एसआई ने कहा- मैंने इस नौकरी के लिए स्टेशन मास्टर की नौकरी छोड़ दी। एक महिला ट्रेनी एसआई बोली कि मेरे पिता 8 साल से बीमार हैं। मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया है। मेरे पीछे मेरी तीन छोटी बहने हैं।

त्रिची में एअर इंडिया प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग

हाइड्रोलिक सिस्टम फ़ेल हुआ था, 3 घंटे आसमान में चक्कर काटे, 141 पैसेंजर लेकर शारजाह जा रहा था

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस की तिरुचलापल्ली से शारजाह जाने वाली फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। शुक्रवार की शाम 5.40 पर उड़ान भरते ही प्लेन के हाइड्रोलिक सिस्टम फ़ेल हो गया था। इसके बाद से ही प्लेन करीब 3 घंटे आसमान में चक्कर काटता रहा। इसके बाद करीब 8.15 बजे प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट नंबर एएक्सबी 613 में 141 पैसेंजर और क्रू मेंबर सवार थे। खराबी का पता चलते ही एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। जानकारी के मुताबिक पायलट विमान में मौजूद ईंधन कम करने के लिए आसमान में चक्कर काट रहा था। एविएशन मिनिस्ट्री ने कहा- सामान्य लैंडिग हुई सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने बताया कि त्रिची से शारजाह जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट इड्डउ 613 सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट पर उतर गई है। डीजीसीए हालात पर नजर रखे हुए है। लैंडिंग गियर खुल रहा था। फ्लाइट सामान्य तरीके से लैंड कर चुकी है। फ्लाइट तिरुचलापल्ली के आसमान में 3 घंटे से ज्यादा चक्कर लगाती रही।। शाम 8.15 बजे प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई।

एयरपोर्ट पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तैनात कर दी

जानकारी के मुताबिक, पायलट की तरफ से इमरजेंसी मैसेज मिलने के बाद एयरपोर्ट पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तैनात कर दी गई थी। साथ ही इमरजेंसी रेस्क्यू टीम को भी तैयार रखा गया था। पूरे एयरपोर्ट स्टाफ को अलर्ट रखा गया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल की तरफ से लैंडिंग का ऐलान होते ही तय प्रक्रिया के मुताबिक इसकी लैंडिंग कराई गई। तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन ने ड्ड पोस्ट में कहा- मुझे ये सुनकर खुशी हुई कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट सुरक्षित लैंड हुई है। इसके लिए कैप्टन और चालक दल को मेरी बधाई। लैंडिंग गियर की समस्या की खबर मिलते ही मैंने अधिकारियों संग फोन पर इमरजेंसी मींटिग की थी। उन्हें सभी आवश्यक सुरक्षा उपाए लागू करने का निर्देश दिया था। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने स्टेटमेंट जारी कर कहा- त्रिची से शारजाह जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट इड्डउ 613, जिसमें 141 लोग सवार थे। हमें सूचना मिली थी कि फ्लाइट में हाइड्रोलिक फ़ेलियर हुआ है। बाद में फ्लाइट सुरक्षित त्रिची एयरपोर्ट पर लैंड हुई। चालक दल ने सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया, जिससे इमरजेंसी के दौरान हर यात्री सुरक्षा है। शाम 6 बजकर 5 मिनट पर इमरजेंसी घोषित होने के बाद एयरपोर्ट और इमरजेंसी टीमों ने तेजी से और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी।

रेस में गोल्ड जीतने के 26 दिन बाद जवान की मौत

संजीवनी टुडे

जम्मू-कश्मीर में ट्रेनिंग के दौरान बिगड़ी थी तबीयत, बाड़मेर में होगा अंतिम संस्कार

बाड़मेर। 26 दिन पहले क्रॉस कंट्री रेस में गोल्ड जीतने वाले बाड़मेर के जवान की चंड़ीगढ़ में मौत हो गई। रेस जीतने के 10 दिन बाद ट्रेनिंग के दौरान जवान की तबीयत बिगड़ गई थी। गुरुवार को अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बाड़मेर के चौहटन के मीठी नाड़ी धनाऊ गांव निवासी दाऊ प्रजापत (25) इंडियन आर्मी की 130 वायु रक्षा रेजिमेंट में तैनात थे। गुरुवार को रेजिमेंट के कमान अधिकारी ने परिजन को उनकी मौत की सूचना दी। जवान के भाई करनाराम ने बताया- 14 सितंबर को चंडीगढ़ में क्रॉस कंट्री रेस थी। इसमें दाऊ ने गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद 24 सितंबर को दाऊ जम्मू-कश्मीर में ट्रेनिंग कर रहा था। वहां अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। इलाज के लिए उसे सेना ने उधमपुर के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वहां से उसे चंडीगढ़ के आर्मी हॉस्पिटल रेफर किया गया था। शनिवार को दाऊ प्रजापत की पार्थिव देह बाड़मेर लाई जाएगी। वहां से पैतृक गांव ले जाया जाएगा और अंतिम संस्कार किया जाएगा। 130 वायु रक्षा रेजिमेंट के कमान अधिकारी अनुज श्रीवास्तव की ओर से जारी पत्र के अनुसार, दाऊ प्रजापत 130 वायु रक्षा रेजिमेंट में गनर के पद पर तैनात थे। उनका 13 दिसंबर 2019 को आर्मी में सिलेक्शन हुआ था। फिलहाल उनकी पोस्टिंग चंडीगढ़ में थी। जानकारी के अनुसार, दाऊ प्रजापत की शादी एक साल पहले हुई थी। वह पांच भाई थे। दाऊ सबसे छोटा था। उससे बड़े मोतीराम, लालाराम, करनाराम और मोहनराम हैं। जवान के पिता दीपा राम खेतीबाड़ी का काम करते हैं।

चेन्नई के पास रेल हादसा, 19 लोग घायल

झटके के बाद मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस दूसरी लेन में गई, खड़ी मालगाड़ी से टकराई, आग लगी, 13 डिब्बे डिरेल

संजीवनी टुडे

चेन्नई। तमिलनाडु में शुक्रवार को मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस (12578) मालगाड़ी से टकरा गई। दक्षिणी रेलवे के मुताबिक, हादसा रात 8.30 बजे कवराईपेट्टई रेलवे स्टेशन के पास हुआ। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बस 19 लोग घायल हुए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पतालों में एडमिट कराया गया है। चेन्नई सेंट्रल से मेडिकल रिलीफ वैन और रेस्क्यू टीमें घटनास्थल पर पहुंची है। इस स्टेशन की चेन्नई से दूरी 41 किमी है। दक्षिणी रेलवे ने बताया कि रात 8.27 बजे पोन्नेरी स्टेशन क्रॉस करने के बाद बागमती एक्सप्रेस को मेन लाइन पर चलने का ग्रीन सिग्नल मिला था। कवराईपेट्टई रेलवे स्टेशन में पहुंचने से पहले लोको पायलट और ट्रेन क्रू को जोर का झटका लगा। इसके बाद ट्रेन मेन लाइन छोड़कर लूपलाइन में चली गई। इसी लूप लाइन पर पहले मालगाड़ी खड़ी थी। बागमती एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर हुई। एक्सीडेंट में 12 से 13 कोच डिरेल हुए। एक कोच और पार्सल वैन में आग लग गई। हादसे के वक्त बागमती एक्सप्रेस की स्पीड 75 किमी थी। तीन ट्रेनों का रूट बदला इंडियन रेलवे के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने कहा, ‘ज्यादातर यात्री सुरक्षित हैं।

घटनास्थल पर मंत्री को भेजा है: तमिलनाडु सीएम

घटना के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि सरकार तेजी से राहत और बचाव कार्य में जुटी है। मंत्री अवादी नासर और अन्य टॉप अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा गया है। घटनास्थल पर मौजूद यात्रियों की मदद और उनकी आगे की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अलग टीम बनाई गई है। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने कहा- हमने व्यक्तिगत रूप से उन यात्रियों से मुलाकात की जो ट्रेन दुर्घटना में घायल हुए थे। सभी का स्टेनली अस्पताल में इलाज चल रहा है। हमने डीन से घायलों की जानकारी के बारे में पूछा है। हमने तिरुवल्लूर के जिला कलेक्टर से घटनास्थल पर मौजूद यात्रियों का एकोमोडेशन को लेकर भी जानकारी ली है। सभी को रेस्क्यू किया गया है। हमें अभी तक किसी की मृत्यु या गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली है। हादसे के कारण तीन ट्रेनें- तिरुचिरापल्ली-हावड़ा एक्सप्रेस, एर्नाकुलम-टाटानगर एक्सप्रेस और काकीनाडा-धनबाद स्पेशल एक्सप्रेस का रूट बदला गया है। बचाव और राहत कार्य जारी है। बीते दिनों कानपुर में लगातार दूसरी बार ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई थी। अनवर-कासगंज रूट पर रविवार देर शाम कालिंदी एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे सिलेंडर से टकराई थी। सिलेंडर फटा नहीं और ट्रेन से टकराकर ट्रैक के किनारे गिर गया। ट्रेन के लोको पायलट ने तुरंत सीनियर अफसर को सूचना दी थी। घटना के बाद टघ्क्क क्रटघ्और रेलवे के सीनियर अफसरों ने जांच की थी।

कोलकाता रेप-मर्डर, डॉक्टर की हालत स्थिर

बाकी 6 की बिगड़ी, कहा- पुलिस हड़ताल खत्म करवाने के लिए हमारे मरीजों पर दबाव डाल रही

संजीवनी टुडे

कोलकाता। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में 7 ट्रेनी डॉक्टर 6 अक्टूबर से अनशन पर बैठे हुए हैं। 10 अक्टूबर की रात एक ट्रेनी डॉक्टर डॉक्टर अनिकेत महतो की कंडीशन क्रिटिकल हुई थी, जिसके बाद उन्हें टक्कर अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को आरजी कर अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि महतो की स्थिति गंभीर बनी हुई है, लेकिन वे अभी स्थिर हैं। उनकी पल्स रेट और अन्य हेल्थ पैरामीटर्स अब और नहीं गिर रहे हैं, लेकिन इसमें सुधार भी नहीं हो रहा है। 5 डॉक्टरों की टीम उस पर नजर रखे है। उधर, बाकी 6 डॉक्टरों की भी हालात बिगड़ रही है, लेकिन उन्हें अभी अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है। एक डॉक्टर ने बताया कि तबीयत बिगड़ने के बावजूद इन्होंने हड़ताल जारी रखने का फैसला लिया है। हड़ताल की जगह के पास एक एंबुलेंस तैनात है। इन 7 के अलावा नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज में 2 और डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनमें से एक ने शुक्रवार रात को कहा- लोकल पुलिस हमारे मरीजों पर दबाव डालकर हमारी हड़ताल खत्म करवाने की कोशिश कर रही है, लेकिन मैं नहीं हटूंगा। आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मेडिकल कॉलेज में मिली थी। इसके अगले दिन से जूनियर डॉक्टरों ने 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन किया था। राज्य सरकार ने डॉक्टरों की मांगें नहीं मानी। जिसके चलते डॉक्टरों ने 5 अक्टूबर की शाम से भूख हड़ताल शुरू की। इसमें 9 डॉक्टर शामिल हैं, आज भूख हड़ताल का सातवां दिन है। मुख्य सचिव मनोज पंत ने पश्चिम बंगाल में चल रहे हेल्थ इनिशिएटिव की स्टेटस रिपोर्ट भेजी। उन्होंने डॉक्टरों को लिखे मेल में बताया- डॉक्टरों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए मेडिकल कॉलेजों में 7,051 सीसीटीवी कैमरे, 893 नए ड्यूटी रूम और 778 वॉशरूम बनाए जा रहे हैं।

जयपुर में थार ने मां-बेटी समेत तीन को कुचला, मौत

अष्टमी पर भोजन प्रसादी के लिए निकले थे, ड्राइवर समेत 2 को किया डिटेन

संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर में गुरुवार को तेज रफ्तार थार गाड़ी ने सड़क किनारे खड़े मां-बेटी समेत तीन लोगों को कुचल दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को थार ड्राइवर समेत दो लोगों को डिटेन किया है। एसएचओ (एक्सीडेंट थाना साउथ) सुभाष चंद बिश्नोई ने बताया- बंगाली कच्ची बस्ती, शिप्रा पथ निवासी दीपमाला (30), उसकी बेटी अर्पिता (3) और रिश्तेदार के बेटे राजवीर (10) की मौत हो गई। गुरुवार दोपहर करीब 11 बजे दीपमाला अष्टमी पर भोजन प्रसादी के लिए दोनों बच्चों को लेकर शिप्रा पथ रोड पर गई थी। स्वर्ण पथ के पास सड़क किनारे तीनों खड़े थे। इसी दौरान गंगा-जमुना पेट्रोल पंप की तरफ से बीटू बाइपास की ओर थार जा रही थी। तिराहे के नजदीक दूसरी गाड़ी को ओवरटेक करते समय थार ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। एसएचओ सुभाष चंद बिश्नोई ने बताया- टक्कर मारने के बाद तीनों को लहूलुहान हालत में गिरा देखकर ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

ओवरटेक करते समय मारी टक्कर

पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि थार को विपिन सैनी चला रहा था। गाड़ी में उसके साथ लोकेश बैठा हुआ था। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि हादसे के समय थार ओवर स्पीड में थी। एक कार को ओवरटेक करते समय थार ने रोड किनारे पेड़ के नीचे खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दी। तीनों उछल कर कुछ दूरी पर बने गड्ढे के पास गिरे थे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने शुक्रवार को थार सवार विपिन सैनी और लोकेश को राउंडअप कर गाड़ी को जब्त किया। हादसे में महिला और दो बच्चों के घायल होने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर हालत में तीनों को एसएमएस हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवा कर शव परिजन को सौंप दिए। परिजन से शिकायत लेकर एफआईआर दर्ज कर ली गई।

खबरें फटाफट

स्थानीय कॉमर्शियल वाहन व टैक्सी का टोल वसूली, वाहन चालकों ने टोल प्लाजा पर लगाया जाम

संजीवनी टुडे

रेनवाल मांजी। रेनवाल मांजी टोल प्लाजा कंपनी ने स्थानीय कॉमर्शियल वाहन चालकों व टैक्सी चालकों से टोल वसूली करना प्रारंभ किया। तो स्थानीय वाहन चालकों ने रोष व्यक्त किया व प्लाजा पर जाम कर टोल प्रशासन से टोल माफी की मांग की। मैनेजर राम चौधरी से वार्ता की गई जिस पर चौधरी ने कॉमर्शियल वाहन चालकों को मासिक पास बनवाने को कहा। मैनेजर ने कहा की रविवार तक रिहायत दी जाएगी पास नही बनाने पर सोमवार से टोल कम्पनी के नियमानुसार वाहन चालकों को टोल का भुगतान करने पड़ेगा। अगर वाहन चालक को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो मासिक पास भी बनवा सकेंगे। जिस पर स्थानीय कॉमर्शियल वाहन चालकों ने असहमति जताई। यूनियन अध्यक्ष शक्ति भाई मंसूरी ने बताया कि जब से टोल लगाया गया तभी से फ्री चल रहे है तो अब हमारे से क्यों टोल वसूला जा रहा है? वाहन चालकों ने बताया कि सोमवार को माधोराजपुरा एसडीएम को ज्ञापन दिया जाएगा अगर यहां भी बात नही बनी तो जाम लगाया जाएगा।

उच्च न्यायालय के आदेश से रा.प्रा.वि. नारायणपुरा खेल मैदान से हटाया अतिक्रमण

संजीवनी टुडे

टोडारायसिंह (केकडी)। राजस्थान उच्च न्यायालय पीट जयपुर ने उपखण्ड के राउप्रावि नारायणपुरा के खेल मैदान की भूमि पर अतिक्रमण की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए टोंक जिला कलक्टर व एसडीएम को अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए थे। जिस पर उपखण्ड अधिकारी टोंक ने तहसीलदार टोंक को मौका मजिस्ट्रेट नियुक्त कर शुक्रवार को अतिक्रमण हटवाकर विद्यालय के प्रधानाध्यापिका के सुपुर्द किया। शुक्रवार को खेल मैदान से अतिक्रमण हटवा कर उच्च न्यायालय में दर्ज जनहित याचिका कि पालना टोडारायसिंह उपखण्ड के हमीरपुर पंचायत स्थित राप्रावि नारायणपुरा बास जाटान के लिए दो दशक पूर्व खेल मैदान के लिए भूमि आवंटित की गई थी। लेकिन आवंटन के बाद 22 साल बाद भी सीमा ज्ञान नहीं होने से लोगों ने अतिक्रमण कर बाड़े बना लिए तथा अनाधिकृत सडक निर्माण भी करवा दिया। उक्त मामले में दर्ज जनहित याचिका पर उच्च न्यायालय ने गंभीरता से लेते हुए जिला कलक्टर टोंक को शीघ्र उक्त विद्यालय की खेल भूमि का सीमा ज्ञान करवांकर अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए। जिसके तहत टोंक एसडीएम ने टोंक तहसीलदार को मौका मजिस्ट्रेट नियुक्त कर खेल मैदान की भूमि से अतिक्रमण हटवाकर सीमा ज्ञान करवाकर विद्यालय का कब्जा करवाया। इस दौरान टोंक तहसीलदार, पुलिस थानाधिकारी मेंदवास, ग्राम विकास अधिकारी, विद्यालय प्रधानाध्यापिका, सरपंच ग्राम पंचायत हमीरपुर व पुलिस जाप्ता मोके पर मौजूद रहा।

22 साल के युवक ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के 22 साल के युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामला राजगढ़ थाना क्षेत्र के पुराना राजगढ़ का है। हेड कांस्टेबल हीरालाल ने बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम पुराना राजगढ़ के रहने वाले अमित जांगिड़ पुत्र रामबाबू जांगिड़ ने आत्महत्या कर ली। युवक के चाचा बनवारी लाल जांगिड़ ने बताया कि उनके भतीजे अमित जांगिड़ का 8 माह पूर्व फरवरी 2024 में विवाह हुआ था। शादी के बाद से ही पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। उसकी पत्नी पीहर गई हुई थी। भतीजा शादी के बाद से ही तनाव में था। तनाव के चलते अपने कमरे में फांसी लगा ली। घटना के समय घर में कोई नहीं था। जब युवक की मां घर आई तो बेटे को फंदे पर लटका देखा। इसके बाद परिजनों और पुलिस को बुलाया। युवक के भाई की शादी भी उसकी पत्नी की बहन से हुई है। हेड कांस्टेबल हीरालाल ने बताया कि युवक के पास से सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने अपनी मौत का कारण पत्नी नेहा व उसके बायफ्रेंड वीरू का नाम लिखा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

भूजल स्तर में सुधार व सुचारू पेयजल आपूर्ति हेतु समन्वित प्रयास करे: जिला कलक्टर

संजीवनी टुडे

जिला कलक्टर ने ली जल प्रबंधन के संबंध में विस्तृत बैठक

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज मिनी सचिवालय सभागार में अलवर शहर में गिरते भूजल स्तर को दृष्टिगत रखते हुए शहर में सुचारु पेयजल व्यवस्था हेतु शहर के जल प्रबंधन के संबंध में संबंधित विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर निर्देश दिये कि शहर की पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाने हेतु समन्वित कार्ययोजना तैयार कर उसे धरातल पर त्वरित रूप से अमल में लाये। जिला कलक्टर ने कहा कि अलवर शहर में पूरी तरह भूमिगत जल से पेयजल आपूर्ति पर निर्भर है अतः संबंधित विभाग शहर के जल प्रबंधन के प्रत्येक पहलू पर बारीकी से अध्ययन कर उसकी समन्वित कार्य योजना बनाए जिससे उपलब्ध जल का बेहतर उपयोग होने के साथ भूमिगत जल का रिचार्ज हो सके। उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि शहर की तात्कालीन पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हेतु तत्कालीन प्रवृति के प्रस्ताव तैयार करे जिसमें कम पानी वाले बोरवेल को गहरा करने, स्वीकृत नए बोरिंगों को यथाशीघ्र चालू कराने तथा आवश्यकतानुसार नए बोरिंग आदि के प्रस्ताव तैयार करें तथा शहर की दीर्घकालीन पेयजल आवश्यकता को मद्देनजर रखकर कार्य योजना बनाए। उन्होंने निर्देश दिये कि आगामी 15 दिवस में शहर में अवैध कनेक्शन वाले पोकेट्स को चिन्हित कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करे। उन्होंने निर्देश दिये कि सिलीसेढ झील से अलवर शहर में जलापूर्ति करने की बजट घोषणा के लिए बोरिंग करने हेतु भूमि आवंटन की कार्यवाही सात दिवस में पूरी करे, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जावेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि भूमि आवंटन के तुरन्त पश्चात निविदा आदि प्रक्रिया पूर्ण कर आगामी ग्रीष्म ऋतु से पूर्व शहर में इस योजना

के तहत जलापूर्ति कराना सुनिश्चित करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि बिना स्वीकृति के निजी बोरिंग का व्यावसायिक उपयोग करने वाले व्यक्तियों व आरओ प्लांट आदि पर नियमानुसार कार्रवाई करे। उन्होंने अमृत 02 योजना के तहत शहर के शेष रहे सीवर कनेक्शनों को जोडने का कार्य प्रारम्भ करे। उन्होंने एडीएम द्वितीय को निर्देश दिये कि अलवर शहर के सभी सरकारी कार्यालयों की सूची अविलम्ब उपलब्ध करावे तथा नगर विकास न्यास व नगर निगम सहित संबंधित विभागों से समन्वय कराकर आगामी तीन माह में शहर के सभी सरकारी कार्यालयों में वाटर हार्वेस्टिंग रिचार्ज स्ट्रक्चर तैयार करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि इसके साथ ही शहर के सभी व्यावसायिक भवनों एवं 225 वर्ग मीटर से बडे मकानों में भी नियमानुसार वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर तैयार कराए जाए। इसके लिए सर्वप्रथम आमजन को जागरूक करें तथा जो संस्था या व्यक्ति नियमानुसार वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर नहीं बनाए उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाए। जिला कलक्टर ने अलवर शहर में परम्परागत जल स्त्रोतों का सर्वे कराने एवं उनका जीर्णोद्धार आदि कार्य कराए जाने के संबंध में नगर निगम आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के निर्देश दिये जिसमें जलदाय विभाग व भूजल विभाग के अभियन्ता सदस्य रहेंगे। उन्होंने निर्देश दिये कि समिति सर्वे की रिपोर्ट यथाशीघ्र प्रस्तुत करने के साथ प्रारम्भिक चरणों में 5 जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार प्रारम्भ करावे। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिये कि भाखेडा एनीकेट के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करावे तथा जलदाय विभाग को निर्देश दिये कि भाखेडा एनीकेट के पास भूमि चिन्हित कर नए बोरवेल लगाने के प्रस्ताव तैयार करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि रेजिडेंशियल सोसायटीज में बनाए गए एसटीपी के पानी का उपयोग पार्क आदि की सिंचाई हेतु करावे। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा कर जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि शेष रहे गांवों की योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण कर प्रारम्भ करावे। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि एमजेएसए 02 योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बनाई गई जल संरचनाओं के आसपास बोरवेल आदि कराने के प्रस्ताव तैयार करावे। बैठक में एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, नगर निगम के आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता ललित करोल, अधीक्षण अभियन्ता सुनील गर्ग व अधिशाषी अभियन्ता कमल नारंग, यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता तैयब खान, जल संसाधन विभाग के अधिसाषी अभियन्ता संजय खत्री, डीटीपी संध्या सैनी, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता प्रहलाद, जिला परिषद के सहायक अभियन्ता (नरेगा) मुकेश जैन, कनिष्ठ हाइड्रोलोजिस्ट कैलाश चन्द शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जूली ने जनसुनवाई में आमजन की परेशानियां को सुनकर कराया निस्तारण

संजीवनी टुडे

अलवर। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई करते हुए अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे लोगों की समस्याओं का समाधान किया। जूली ने कहा कि अलवर सहित पूरे प्रदेश में पिछले 10 महीने की इस सरकार के कार्यकाल में पानी बिजली सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदेश की जनता में हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है और प्रदेश के मुखिया विदेश की सैर करने में मस्त है। जूली बोले मानवता की मिसाल है रक्तदान शिविर नेता प्रतिपक्ष जूली ने कांग्रेस नेता एवं पार्षद नरेंद्र मीणा के जन्म दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत की। जूली ने रक्तदान शिविर में रक्त वीरों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि ऐसे आयोजन मानवता की मिसाल पेश कर लोगों का जीवन बचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी जरूरतमंद को समय पर यदि रक्त जैसी सहायता उपलब्ध हो जाए तो इससे बड़ा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यालय पर भी बड़ी संख्या में आमजन रक्त की उपलब्धता के लिए पहुंचता है जहां पर उन्हें रक्त उपलब्ध कराने की सुनिश्चितता की जाती है। उन्होंने कहा कि देश में धर्म और जाति के नाम पर सामाजिक बुराइयों के बने परिदृश्य के बीच आज भी ऐसे आयोजन और रक्त वीर लोगों में इंसानियत जिंदा है का संदेश देते हैं।

नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में शरारती कपूर बहनों ने बॉलीवुड

संजीवनी टुडे

मुंबई। पहली बार, फैंस को एक मजेदार अनुभव मिलने वाला है, क्योकि मशहूर बहनें करिश्मा कपूर और करीना कपूर खान नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में एक साथ नज़र आने वाली है। अपने सबसे बेबाक अंदाज़ में, कपूर बहनें मनोरंजन से भरे और अनजाने किस्से शेयर करके दर्शकों को खूब हंसाएंगे। कपिल शर्मा, दोनों बहनें एक-दूसरे को कितनी अच्छी तरह से जानती हैं, उनके फ़ेमस कपूर परिवार और उनका बॉलीवुड का सफर, उनके बचपन की यादें और फिल्म के सेट के बारे में बात करने वाले है। ऐसी ही एक बातचीत के दौरान, करिश्मा ने करीना और सैफ अली खान के रिलेशनशिप के बारे में पता चलने के बाद मजाकिया अंदाज में अपने रिएक्शन के बारे में बताया। करिश्मा ने कहा, ''मुझे याद है, मैं लंदन में थी और तभी मुझे करीना का फ़ोन आया। मैंने पूछा क्या हुआ है, करीना ने कहा, मैं तुम्हें कुछ बताना चाहती हूं लेकिन इससे पहले कि मैं कुछ बताऊं, मुझे लगता है कि तुम्हें कहीं शांत जगह बैठ जाना चाहिए। करिश्मा ने बताया कि, उस वक्त मैं एक दुकान में थी, वहाँ एक सोफ़ा था और मैं सोफ़े पर बैठ गई। फिर उसने कहा ''देखो, बात यह है कि मैं सैफ से प्यार करती हूँ।'' सैफ पहले उनके को-स्टार थे। करिश्मा की कहानी सुनकर सभी हंस पड़े और स्टूडियो में हंसी का माहौल बन गया! करिश्मा का इस पर क्या रिएक्शन था? करीना के रिलेशनशिप के बारे में करिश्मा ने क्या जवाब दिया।

दुर्गाष्टमी पर घर-घर हुई महागौरी की पूजा, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को दुर्गाष्टमी पर घर-घर में देवी मां की ज्योत देकर पूजा अर्चना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने कन्या का पूजन कर उन्हें भेंट व उपहार दिए। शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर शुक्रवार को भक्तों ने मां महागौरी की पूजा अर्चना के साथ ही कन्या पूजन कर व्रत खोले। मंदिरों और घरों पर भजन - कीर्तन किए गए।

शुक्रवार को शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा अर्चना की और दुर्गा अष्टमी पर श्रद्धालुओं ने कन्याओं के पैर धोये और तिलक लगाकर उन्हें भोजन कराया,इसके बाद व्रत खोले। मंदिरों और घरों पर पूजा अर्चना के साथ भजन कीर्तन किए गए। सुबह से शाम तक मंदिरों पर भक्तों की भीड़ लगी रही। वहीं कस्बे के माचाड़ी मार्ग स्थित देवी माता के मंदिर, गायत्री मंदिर तथा पहाड़ वाली माता के मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सुबह से मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माता रानी के दरबार में पहुंच कर ढ़ोक लगाकर मन्नत मांगी। कन्याओं की पूजा के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की नजरे इधर से उधर दौड़ती रही। मोहल्ले पड़ोस में पर्याप्त कन्या न मिलने पर रास्ते में खड़े होकर कन्याओं से विनती करनी पड़ी कि उनके घर पहुंच कर भोजन ग्रहण करें और आशीर्वाद दें। कन्याओं को भोजन कराने के साथ ही उन्हें उपहार देकर विदा किया।

जिला प्रशासन ने दो साल से बिछडे बच्चों को परिजनों को सौंपा

माता-पिता की आखों में छलके खुशी के आंसू, परिवार के साथ दीवाली मनाएंगे दोनों बच्चे

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुल्का के निर्देशन पर जिला प्रशासन की टीम द्वारा करीब दो साल से घर से गुमशुदा दो बालकों को उनके घर पहुंचाकर परिजनों को उनके घर के चिराग से मिलाकर खुशियों की सौंगात दी है। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रविकान्त ने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व अलवर स्टेशन पर गुमशुदा मिले मुजफ्फर नगर बिहार निवासी दो बालक चन्दन पुत्र जितेन्द्र कुमार पासवानएवं बालक राजन पुत्र राजेश पासवान जिले के इरादा बाल गृह अलवर में आवासित थे जिनकी जिला कलक्टर के निर्देशानुसार विभाग एवं बाल कल्याण समिति द्वारा दोनों बालकों के घर वापसी के प्रयास हेतु लगातार काउंसलिंग करने पर बालक घोडा फार्म सैक्टर 23 के बारे में बताया। बालकों द्वारा बताए गए संभावित पते पर तलाश हेतु 10 अक्टूबर 2024 को जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल कल्याण समिति की टीम ने दोनों बच्चों द्वारा बताए पते पर विजिट की। सैक्टर 23 गुडगांव में विजिट के दौरान बालक ताउ देवीलाल पार्क एवं शिव शक्ति मंदिर को पहचान गए। इसके बाद

आसपास के लोगों से घोडाफार्म की तलाश की गई जहां पर पहुंचने पर जानकारी मिली कि बालकों के परिजन घोडाफार्म से नौकरी छोडकर जा चुके हैं लेकिन वहां कार्यरत गार्ड की मदद से परिजनों से संपर्क कर उन्हें बुलवाया गया। दोनों बालकों की परिजनों से मिले उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बालकों के परिजनों ने बताया कि वे गुडगांव में मजदूरी का काम करते हैं तथा एक दिन दोनों बच्चें खेलते-खेलते गुमशुदा हो गए जिनकी तलाश हुए अथक प्रयास करने पर भी बच्चे नहीं मिले आज जिला प्रशासन अलवर ने हमारे बच्चों को हमसे मिलाकर हमारे घर को रोशन किया तथा इस बार की दीपावली बच्चों के साथ मनाने की खुशी दिलाई है इसके लिए अलवर जिला प्रशासन का आभार जताते हैं। इस दौरान बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राजेश शर्मा, संरक्षण अधिकारी सतीश चौधरी व बालगृह संचालक नरेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

सामूहिक दुष्कर्म के विरोध में और पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए ज्ञापन दिया

संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़। अखिल भारतीय बलाई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बाबूलाल बछेर के नेतृत्व में जयसिंहपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनुसूचित जाति समाज की गरीब बालिका के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के विरोध में और पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने के संदर्भ में पुलिस कमिश्नर जयपुर से मिलकर ज्ञापन दिया गया। हनुमान परिड़वाल ने बताया कि बलाई महासभा ने मांग की है कि सामूहिक दुष्कर्म के नामजद अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हो तथा त्वरित न्यायिक कार्रवाई के लिए फास्ट ट्रैक अदालत में मामला चलाया जाकर दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जावे। परिड़वाल ने कहा कि बालिका गंभीर अवस्था में बेहोशी की हालत में एसएमएस अस्पताल जयपुर में उपचाराधीन है उसके इलाज के समुचित व्यवस्था हो, इसके साथ ही पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता स्वरूप एक करोड रुपए की आर्थिक सहायता और बालिका अथवा बालिका के परिजन को सरकारी नौकरी दिलाने की मांग की । महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सूरज मल बुनकर ने चेतावनी

दी है कि उक्त मांगों के संदर्भ में यदि पुलिस प्रशासन शीघ्र कार्रवाई नहीं करता है तो अखिल भारतीय बलाई महासभा, अनुसूचित जाति समाज एवं सर्व समाज द्वारा शीघ्र आंदोलन किया जावेगा। महासभा की राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट डॉ. अंजना वर्मा, प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान सूरज मल बुनकर, प्रदेश प्रभारी नंदकिशोर वर्मा, महासचिव ललित कुमार वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान परिडवाल, युवा अध्यक्ष बी एल मांदावत इंद्रगढ़, प्रदेश सचिव नीलम आर्य, ग्राम पंचायत साईवाड के सरपंच राजेंद्र कुमार बुनकर, ग्राम पंचायत नटाटा के सरपंच राजेंद्र मीणा, महासभा के जयपुर शहर अध्यक्ष बंटी वर्मा, महासचिव बाबूलाल वर्मा, सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष चुन्नीलाल मंडारवाल,जयपुर जिला उपाध्यक्ष मंगल चंद बुनकर सहित समाज के सैकड़ो लोगो ने पीड़ित परिवार को साथ में लेकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय जयपुर में उपस्थित होकर ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा एसएमएस अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवार और पीड़ित बालिका से मिलकर उनको हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मोदरान आशापुरी मंदिर में नवरात्रि महोत्सव पर हवन व महाआरती का आयोजन

संजीवनी टुडे

मोदरान। कस्बे में स्थित श्री आशापुरी महोधरी माताजी मंदिर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में दुर्गा अष्टमी के पावन पर्व पर यज्ञ सुबह दस बजे से आरम्भ कर शाम पांच बजे पूर्णा आरती और महाआरती के आयोजन के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर में पूजा अर्चना व दर्शन के लिए आस-पास के गावों व शहरों से हजारों की संख्या मे दर्शनार्थियों का आना जाना लगा रहा। वही सुबह से दर्शनाथीयो का ताता लगा हुआ रहा वही भक्तो के द्वारा आशापुरी माताजी के जय जयकारे व यज्ञ के आयोजन की ध्वनि से पुरा वातावरण भक्ति मय हो गया । इस अवसर पर आशापुरा मोबाइल विक्रम सिंह राजपूत, जितेंद्र सिंह राजपूत की और से सभी दर्शनार्थियों के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया था वहीं सांथू

गायत्री आश्रम से महंत विष्णु स्वरूपजी महाराज ने आशापुरी माताजी मंदिर पहुंच माताजी की विशेष पुजा अर्चना कर देश मे सुख शांति व समृद्धि की कामना की और यजमानों व मंदिर में पुजारी व पंडितो को आशीर्वाद देकर भेट किया। वही शारदीय नवरात्रि महोत्सव को लेकर पुरे आठ दिन दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन पंडित आचार्य भीमाशंकर दवे, दिनेश त्रिवेदी, निखिल दवे, दिनेश दवे, शुभम्म दवे, अरुण दवे व त्रिभुवन त्रिवेदी, सहीत हवन में यझमान रतन सिंह सोढा,जगमालसिंह राजपुरोहित, ईश्वरसिंह राठौड़, जबरसिंह राजपुरोहित,मदनसिंह राजपुरोहित, सुरेंद्रसिंह आदी ने पुरे दिन सुबह से वैदिक मंत्रों का गुणगान कर यज्ञ मे आहुतीया दिया। जिससे पुरे दिन मोदरान नगर में वैदिक मंत्रों की गुंज दुर दुर तक सुनाई दी। जिससे यज्ञ से आस-पास का वातावरण शुद्ध हो गया। वही श्री आशापुरी महोदरी माताजी ट्रस्ट के व्यवस्थापक जोगसिंह राव, पुजारी डुंगर पुरी गोस्वामी , प्रकाश पुरी गोस्वामी, राहुल, कोषाध्यक्ष छैलसिंह राठौड़, जितेंद्र सिंह, विक्रम सिंह शैतान सिंह भावेश कुमार लुंकड सहित कई दर्शनार्थियों की उपस्थिति में महाअष्टमी हवन व पूर्णाहुति देकर महा आरती का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर आशापुरी माताजी संघर्ष समिति के अध्यक्ष रतन सिंह सोढा, ग्राम विकास अधिकारी शैतान सिंह, अशोकसिंह जेतावत सहित कई जन उपस्थित रहे।

राजपुरा में पथ संचलन का आयोजन, जगह जगह पुष्प वर्षा कर ग्रामीणों ने किया स्वागत

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की उपखंड केंद्रों पर संचलन की श्रृंखला में शुक्रवार को ग्राम राजपुरा के स्वयंसेवकों ने कदम से कदम मिलाकर पथ संचलन किया। विजयादशमी के उपलक्ष्य मे आयोजित उत्सव में जसराम मीणा जिला कार्यवाह, प्रहलाद खंड संघचालक एवम रामजीलाल राजपुरा खंड कार्यवाह ने शस्त्र पूजन कर उत्सव प्रारंभ किया। जसराम ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदू धर्म ही वास्तव में मानव धर्म है, विजयदशमी को संघ अपने 100वे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने स्वयंसेवकों से छुआछूत और उच्च नीच का भाव मिटाने का आवाहन किया। स्वयंसेवकों को नियमित रूप से शाखाओं में भाग लेने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। मीडिया विभाग से नवल किशोर बंटी ने जानकारी देते हुए बताया कि विजयदशमी उत्सव एवं शस्त्र पूजन के पश्चात कचोलिया रोड स्थित देवनारायण खेल मैदान से संघ घोष के साथ संचलन प्रारंभ हुआ जो प्रमुख रास्तों से होता हुआ है वापस देवनारायण खेल मैदान पहुंचा। राजपुरा के सैकड़ों स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में कदम से कदम मिलाकर पथ संचलन निकाला। इस अवसर पर कौशल, रामजीलाल राजपुरा, हनुमान, राम अवतार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जगह जगह पथ संचलन का लोगों ने पुष्प वर्षा कर संचलन का स्वागत किया। साथ ही माता बहनों ने जय घोष लगाकर संचलन का स्वागत किया। इसी श्रृंखला में दिनांक 13 अक्टूबर रविवार को डिग्गी मे पथ संचलन का आयोजन होगा।

खबरें फटाफट

जयपुर सांसद मंन्जु शर्मा ने वाल्मीकि जयंती के पोस्टर किया विमोचन

संजीवनी टुडे

जयपुर । वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर नाहरगढ़ कोलोनी (नाहरगढ़ ग्रुप) की और से आयोजित होने वाली विशाल शोभायात्रा वह विशाल भंडारे का पोस्टर विमोचन जयपुर सांसद मंजु शर्मा से करवाया गया इस दौरान समस्त वाल्मीकि समाज के लोग शामिल रहे।

जन्म के आधार पर जातिवाद भेद नहीं डालताः भैय्याजी जोशी

संजीवनी टुडे

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैय्याजी जोशी ने कहा कि जैसे किसी राज्य की सीमाएं हमारे अंदर भेद नहीं डाल पाती, वैसे ही जन्म के आधार को भी हमारे अंदर जातिवाद नहीं डालना चाहिए। जैसे शरीर का हिस्सा भले छोटा या बड़ा हो शरीर से अलग नहीं हो सकता वैसे ही कोई भी समाज कमजोर या समृद्ध हो हिंदू समाज से अलग नहीं हो सकता। जोशी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को त्रिवेणीनगर स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित विजयदशमी उत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान की प्रस्तावना में भारत कहकर प्रस्तुत किया है ना कि कर्नाटक, उड़ीसा या तमिलनाडू। देश में तमिल, असम, मणिपुर, महाराष्ट्र हर जगह के लोग भारत माता की जय ही कहते हैं। रहन-सहन, खान पान, कपड़े पहनने के ढंग में अंतर हो सकता है पर भारतवर्ष के लोगों के मन में कभी भी अंतर नहीं आ सकता। उन्होंने सवाल किया कि जन्म के आधार पर जाति तय हो जाती है क्या। ज्योतिर्लिंग 51 शक्ति पीठ किसी जाति के हैं। उन्होंने ने कहा कि राम के साथ मर्यादा और पुरुषोत्तम दो नाम जुड़े हैं। कई विपदाओं में यह दो शब्द मार्गदर्शन करते हैं। नकारात्मक शक्तियों का विघटन एवं देवी शक्ति को विकसित करते हैं। इसी प्रकार संविधान की प्रस्तावना में रविन्द्र नाथ टैगोर ने 'हम' भारत के लोग हैं लिखा। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सभी भारत माता की जय कहते हैं। मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश डॉ. राजेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ संघ में प्रचलित शिक्षा देना आवश्यक है।

डीबीएलके छठे संस्करण के ट्रायल्स कल से

संजीवनी टुडे

जयपुर। डीबीएल डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का छठा संस्करण 22अकतुम्बर से 01 दिसंबर 2024 तक स्पोफिट अकादमी जयपुर में आयोजित होगा। इस के लिए खिलाड़ियों के चयन के लिए विभिन्न वर्गों की प्रथम ट्रॉयल्स13 अक्टूबर से शुरू होंगे ।इसमें जयपुर और जयुपर के बाहर के डॉक्टर्स और उनके परिवार जन भाग लेंगे । लीग चेयरमैन डॉ अनिल यादव ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों का भव्य ऑक्शन 13 अक्टूबर को होटल निर्वाणा पैलेस जयपुर में आयोजित किया जाएगा जहाँ बोली द्वारा अलग-अलग टीमों में खिलाडियों का चयन किया जायेगा । लीग संयोजक डा हरीश भारद्वाज़ ने बताया की इसके साथ ही ''बैडमिंटन जोड़ी ऑफ द ईयर''में डॉक्टर दम्पत्ति तथा, मलंग जोड़ी,एवँ दबंग जोड़ी वर्ग में भी डॉक्टर्स का चयन किया जाएगा । लीग चीफ कोर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि पिंकस्टार हॉस्पिटल जयपुर के डायरेक्टर वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डा राघवेंद्र द्वारा टैलेंट श्रृंखला की उभरती प्रतिभायों को सम्मानित किया जाएगा। लीग सेक्रेटरी डा हनुमान खोजा ने बताया की इस बार लीग में किड्स कैटेगरी, बॉयज कैटेगरी और गर्ल्स कैटेगरी और पुरूष केटेगरी में जयपुर के प्रतिष्ठित हॉस्पिटलस की टीमें भाग लेंगी । लीग में जयपुर व जयपुर के बाहर के लगभग चार सौ खिलाड़ी भाग लेंगे।

झोलाछाप डॉक्टरों के शिकंजे में फंसे ग्रामीण दे रहे मौत को दावत

संजीवनी टुडे

बेख़ौफ होकर झोलाछाप डॉक्टर चला रहे हैं क्लिनिक

मालपुरा (टोंक)। उपखण्ड क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। यह झोलाछाप डॉक्टर बिना डिग्री और बिना स्वास्थ्य विभाग में पंजीकृत होने के बावजूद धड़ल्ले से मरीज़ों को इंजेक्शन, दवाइयां देकर इलाज के नाम पर मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया, स्क्रब टायफस जैसी बीमारियों के कारण अस्पतालों में ओपीडी की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों के साथ साथ स्क्रब टायफस जैसी बीमारियां फैल रही है। इन झोलाछाप डॉक्टरों को तो स्क्रब टायफस बीमारी का ज्ञान तक नही है। फिर भी बेख़ौफ़ होकर यह झोलाछाप डॉक्टर, मरीजों को बिना जांच और बिना चिकित्सक की पर्ची के इलाज के नाम पर दवाइयां दे रहे है। और मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही एवं निष्क्रियता का फायदा ग्रामीण क्षेत्रों में झोला छाप डॉक्टर उठा रहे हैं।

मालपुरा क्षेत्र में जहां स्क्रब टायफस कहर बरपा रहा है, वही इस बीमारी से अनजान ग्रामीण, झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाकर, मौत को बुलवा दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इन झोलाछाप डॉक्टरों ने अपने पैर जमा रखे हैं। बिना किसी डिग्री या फर्जी डिग्री के झोलाछाप डॉक्टर, बेरोक टोक मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह झोलाछाप डॉक्टर बंगाली डॉक्टर के नाम से जाने जाते है। उपखण्ड के अधिकतर गांवों में इन बंगाली डॉक्टरो के क्लिनिक मिल जाएंगे। प्रशासन को इसकी जानकारी होने के बावजूद, इन झोलाछाप डॉक्टरों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। यह झोलाछाप डॉक्टर जगह-जगह दुकानों में क्लीनिक संचालित

कर मरीजों को दवाइयां देकर, इलाज के नाम पर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे है। झोलाछाप डॉक्टरो द्वारा इलाज करने से लोगों की जानें भी जा सकती हैं, इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा, मरीजों को बिना जांच के ही दवाइयां दी जा रहीं हैं। जो मरीजों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। अगर उपखंड के चावंडिया ग्राम की बात करे तो एक झोला छाप डॉक्टर ऐसा भी नजर आया, जिनके पहनावे को देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं, कि क्या ऐसे भी डॉक्टर होते हैं। लूंगी बांधे, इंजेक्शन को मुंह में दबाये डॉक्टर साहब खडे होकर एक वृद्ध ग्रामीण आदमी जिसकी तबीयत ज्यादा खराब थी, उसको इंजेक्शन लगा रहे थे। जब इन डॉक्टर साहब से डिग्री डिप्लोमा के बारे में जानकारी चाही तो, डॉक्टर साहब ने बेफिक्री से कहा कि मेरे पास कोई डिग्री डिप्लोमा नहीं है। साथ ही इन डॉक्टर साहब ने तो चिकित्सा विभाग पर भी आरोप लगा दिए। डॉक्टर साहब ने तो चिकित्सा विभाग के निचले स्तर से लेकर सीएमएचओ तक मासिक बंधी देने की बात तक कह डाली। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई नहीं किए जाने से इन झोलाछाप डॉक्टरों के हौंसले दिनोंदिन बुलंद होते जा रहे हैं। और यह बेख़ौफ़ होकर क्लीनिकों का संचालन कर रहे हैं।

हाल ही में इन झोलाछाप डॉक्टरों का एक मामला अलवर के रैणी क्षेत्र में देखने को मिला है। यहां 14 माह के बालक का उसके परिजनों ने एक झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक में उपचार कराया था। उपचार के बाद बालक की तकलीफ ज्यादा बढ़ गई और परिजन उसे सरकारी अस्पताल लेकर भी गए। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सवाल यह उठता है कि मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग इन झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? क्या स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से यह सारा खेल चल रहा है ? आखिर कब चिकित्सा विभाग इन झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा लगाए गए मासिक बंधी देने के आरोपों का खंडन कर उनके खिलाफ कार्रवाई करेगा या फिर आंखें बंद कर लोगों के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को देखता रहेगा ?

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान में झोलाछाप डॉक्टरों के ख़िलाफ़ कार्रवाई के लिए सीएमएचओ, ब्लॉक सीएमएचओ, और स्वास्थ्य विभाग की टीम की भूमिका होती है। सीएमएचओ को कार्रवाई की रिपोर्ट निदेशालय तक भेजनी होती है। ब्लॉक सीएमएचओ को कार्रवाई शुरू करने के लिए निर्देश दिए जाते हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम, झोलाछाप डॉक्टरों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करती है। इस टीम में एसडीएम, पुलिस उपाधीक्षक, ब्लॉक सीएमएचओ, जिला आयुर्वेद अधिकारी, और औषधि नियंत्रण अधिकारी शामिल होते हैं। टीम, मौके पर पंचनामा तैयार करती है और हर सदस्य के हस्ताक्षर कराती है। अगर झोलाछाप डॉक्टर की दुकान बंद पाई जाती है, तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आस-पास के लोगों से भी पंचनामा पर हस्ताक्षर कराए जाते हैं। कार्रवाई के बाद, उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट दी जाती है।

जालौर जिले में थाना बिशनगढ़ पुलिस की कार्रवाई

करीब 05 करोड़ के गबन के मामले में तत्कालीन व्यवस्थापक एवं सह व्यवस्थापक गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

जयपुर /जालौर। जालौर जिले की बिशनगढ़ थाना पुलिस की टीम द्वारा बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति एवं इससे सम्बंधित बैंक दी-जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव बैंक शाखा सायला में करोड़ों रूपयों के गबन के मामले में बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालीन व्यवस्थापक एवं दी जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव बैंक शाखा सायला के ऋण पर्यवेक्षक आशाराम मेघवाल पुत्र किस्तूरा राम (49) निवासी आसाणा थाना सायला एवं बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालीन सहायक व्यवस्थापक चम्पा लाल जीनगर पुत्र गवरा राम (37) निवासी बलवाड़ा थाना बिशनगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ज्ञान चन्द्र यादव ने बताया कि 02 अक्टूबर 2022 को दी जालौर सेण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, जालौर के वरिष्ठ प्रबन्धक भूराराम पुंछल ने रिपोर्ट दी कि ग्राम सेवा सहकारी समिति के अधीन आने वाले किसानों को फसल चक्र अनुसार ऋण साख-सीमा का निर्धारण कर साख-सीमा समिति स्तर से स्वीकृति कर हल्का अधिकारी के माध्यम से बैंक की सम्बन्धित शाखा से ऋण स्वीकृत किया जाता है। इसी तरह बालवाड़ा, केशवना, ऐलाना, बिशनगढ, मांडवला की

ग्राम सेवा सहकारी समितियों द्वारा भी किसानो की साख सीमा निर्धारण कर ऋण स्वीकृत किया जाता था। इसमें से बालवाड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक, सहायक व्यवस्थापक तथा इन सोसायटियों से सम्बंधित बैंक दी-जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव सोसायटी के शाखा प्रबंधक, कैशियर आदि द्वारा बिना साख सीमा निर्धारण किये, तथा भूमि को कम या अधिक करके, लोन भरने के बाद भी बिना किसान की जानकारी के लोन रिपीट कर, बिना आवेदन ही लोन स्वीकृती दे करोड़ों रूपयो के गबन किया है। उसके बाद राज्य सरकार की ऋण माफी योजना राजस्थान सहकारी फसली ऋण माफी योजना- 2018 एवं राजस्थान कृषक ऋण माफी योजना- 2019 के तहत अपात्र व्यक्तियों को ऋण माफ कर राज्य सरकार को करोड़ों रूपयों की वित्तीय हानि पहुँचाई है। रिपोर्ट पर थाना बिशनगढ पर प्रकरण संख्या दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। एसपी यादव ने बताया कि जिले में अपराध की रोकथाम, सम्पति सम्बंधी अपराधों में अपराधियों की धरपकड़ एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटा राम गोदारा व सीओ गौतमकुमार जैन के सुपरविजन एवं एसएचओ पन्ना लाल उपनिरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अनुसंधान उपरांत ग्राम सेवा बालवाड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालिन व्यवस्थापक एवं दी जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव बैंक शाखा सायला के ऋण पर्यवेक्षक आशा राम मेघवाल एवं बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालीन सहायक व्यवस्थापक चम्पालाल जीनगर द्वारा उसके सहयोगियो के साथ मिलकर करीबन 5 करोड़ ररुपये का गबन करना पाया जाने से इन दोनों को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से आरोपी आशा राम मेघवाल के विरूद्ध थाना सायला एवं थाना कोतवाली जालौर में भी गबन के 02 अलग-अलग प्रकरण पंजीबद्ध है। प्रकरण में अन्य कथित आरोपियों की भूमिका के सम्बंध में अनुसंधान किया जा रहा है।

'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान लगातार जारी

दीपावली के त्योहार पर कई प्रतिष्ठानों के सैंपल जांच के लिए भिजवाए

संजीवनी टुडे

जयपुर । राज्य सरकार द्वारा जारी शुद्ध आहार- मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत जिला कलेक्टर डॉ.जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर दीपावली के त्योहार पर मिलावट को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के लिये गठित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम की टीम द्वारा आज दिनांक 11 अक्टूबर 2024 को श्री राधे नमकीन भंडार बनीपार्क से यूज्ड कुकिंग ऑयल का एक और मैदा का एक तथा श्री गणेश नमकीन भंडार से बेसन का एक नमूना तथा दूध मिष्ठान भंडार शास्त्री नगर से मावा मिठाई का एक नमूना तथा श्याम स्टोर बनी पार्क से एक घी का नमूना एक बादाम का नमूना और एक दाल के खाद्य नमूने लिये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय की टीम द्वारा सीतापुर? इंडस्ट्रियल एरिया स्थित विनोद फ्रेशनर्स से शुगर कोटेड सौंफ का एक नमूना यूनिवर्सल ट्रेडिंग कंपनी से मिर्च पाउडर हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर के एक-एक नमूने तथा विजय प्रोविजन स्टोर

सत्कार शॉपिंग सेंटर मालवीय नगर से दलिया का एक नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत जांच हेतु लिये,इन सभी खाद्य नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भिजवाया जायेगा एवं जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाई की जायेगी इस दौरान सभी को साफ सफाई रखन? एवं हाइजीन मेंटेन करने के निर्देश दिए गए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम के दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन गोदारा,नरेश कुमार चेजारा,नरेंद्र शर्मा और पवन गुप्ता तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार सिंधी,रमेश चंद्र यादव एवं नंदकिशोर कुमावत शामिल रहे।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की भीलवाड़ा जिले में बड़ी कार्रवाई

तस्करों से मुठभेड़ के बाद एक स्कॉर्पियो से जब्त किया 60 लाख रुपए कीमत का 3 क्विंटल 92 किलो अवैध डोडा चूरा

संजीवनी टुडे

भीलवाड़ा/जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के सहयोग से गांव गुरलां के पास नाकाबंदी में गुरुवार-शुक्रवार की रात तस्करों से मुठभेड़ के बाद एक स्कार्पियो गाड़ी से 3 क्विंटल 92 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 60 लाख रुपए आंकी गई है।पुलिस पर फायरिंग कर फरार हुए बदमाशों की तलाश के लिए रात से ही प्रयास किये जा रहे हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि गैंगस्टर, मादक पदार्थ,शराब एवं हथियार तस्करों व वांछित अपराधियों की धरपकड़ एवं उनके बारे में जानकारी एकत्रित करने के लिए एजीटीएफ की टीम पारंपरिक एवं नवीन तकनीकी पुलिसिंग के आधार पर लगातार प्रयास कर रही है। एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि इसी क्रम में उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव व

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन एवं पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित की गई टीम में भीलवाड़ा जिले से अटैच सदस्यों कांस्टेबल विजय सिंह व गोपाल धाबाई को सूचना मिली कि एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में तस्कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे हैं।

सूचना को एजीटीएफ टीम द्वारा विकसित किया गया तो जानकारी हासिल हुई तस्कर मादक पदार्थ से लोड स्कॉर्पियो लेकर थाना कारोई इलाके के गाडरमाला होते हुए गुरलां के रास्ते से जाएंगे।सूचना पर स्थानीय पुलिस के सहयोग से उक्त रास्ते के घुमावदार मोड़ पर नाकाबंदी की गई। रात करीब 11:45 बजे गुजरात पासिंग स्कॉर्पियो गाड़ी आती हुई दिखाई दी जिसमें दो व्यक्ति बैठे हुए थे। पुलिस टीम को देख स्कॉर्पियो के चालक ने अचानक गाड़ी की स्पीड तेज कर दी।गाड़ी की स्पीड तेज देख पुलिस ने रोड़ पर स्टॉप स्टिक बिछा चालक को रोकने का इशारा किया। इतने में स्कार्पियो चालक ने पुलिस टीम के ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया और नाकाबंदी तोड़ गाड़ी भागने लगा।स्टॉप स्टिक की वजह से स्कॉर्पियो का अगला दाहिना टायर ब्रस्ट हो गया। दोनों टीमो ने जब गाड़ी की घेराबंदी करना चाहा तो स्कॉर्पियो की खलासी साइड से एक व्यक्ति नीचे उतरा। जिसने उतरते ही फायर आर्म्स से पुलिस टीम पर फायरिंग चालू कर दी। जवाबी कार्रवाई में थाना पुलिस द्वारा साथ लाये गए पंप एक्शन गन से दो राउंड फायर किये।पुलिस को जवाबी कार्रवाई करता देख दोनों बदमाश वापस गाड़ी में बैठ गए और गाड़ी भगाने लगे। टीम ने पीछा किया तो गांव सोपुरा के पास बदमाश स्कॉर्पियो को चालू हालत में छोड़कर खेतों की तरफ भागने लगे।पुलिस टीम ने रात के अंधेरे में बदमाशों की काफी तलाश की, लेकिन अंधेरा और खेतों का फायदा लेकर दोनों बदमाश फरार हो गए।गाड़ी की तलाशी ली गई तो ड्राइवर व खलासी की सीट के पीछे की तरफ प्लास्टिक के कुल 22 काले व सफ़ेद कट्टे रखे हुए थे।सभी कट्टों में कुल 392 किलो 51 ग्राम अवैध डोडा चूरा मिला।अवैध मादक पदार्थ पर डोडा चूरा व स्कार्पियो जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया।फरार दोनों बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस की टीम रात से ही लगातार प्रयास कर रही है। इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम के कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह की इस कार्रवाई में विशेष भूमिका तथा एएसआई बनवारी लाल,हैड कांस्टेबल रामनिवास,हेमंत शर्मा,राकेश जाखड़, कांस्टेबल भूपेंद्र शर्मा,गंगाराम,देवेंद्र सिंह,जितेंद्र कुमार और कांस्टेबल चालक दिनेश कुमार तथा कारोई थाना अधिकारी लक्ष्मीनारायण मय टीम का सराहनीय योगदान रहा।

टीकाकरण से करे मेनिनजाइटिस की रोकथाम

संजीवनी टुडे

जयपुर। मेनिनजाइटिस एक गंभीर टीका रोकथाम योग्य संक्रमण है जो विशेष रूप से बच्चों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ पैदा करता है। विश्व मेनिनजाइटिस दिवस का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इस बीमारी को हराने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना, प्रारंभिक पहचान की जीवनरक्षक क्षमता को बढ़ावा देना और टीकाकरण के माध्यम से इसकी रोकथाम करना है। डॉ. मनीष मित्तल, सलाहकार बाल रोग विशेषज्ञ और नियोनेटोलॉजिस्ट, कोकून हॉस्पिटल, जयपुर जोर देते हैं छोटे बच्चों, विशेष रूप से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को मेनिनजाइटिस होने का सबसे अधिक खतरा होता है। टीकाकरण एक ऐसी बीमारी के खिलाफ उनका सबसे अच्छा बचाव है जो जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकता है। माता-पिता और देखभाल करने वालों के रूप में, अपने बच्चों को इस मूक लेकिन घातक खतरे से बचाने के लिए समय पर

टीकाकरण सुनिश्चित करना सबसे प्रभावी कदम है। हर साल वैश्विक स्तर पर 2.5 करोड़ से अधिक मामले सामने आने के साथ, मेनिनजाइटिस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि इस बीमारी से मरने वालों में से लगभग 70प्रतिशत पांच साल से कम उम्र के बच्चे हैं। मेनिनजाइटिस मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (मेनिन्जेस) के आसपास की परत की सूजन है और यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फंगल या वायरल संक्रमण के कारण होता है। मेनिनजाइटिस के रोगियों की नैदानिक विशेषताएं कारण, रोग के पाठ्यक्रम, मस्तिष्क की भागीदारी और प्रणालीगत जटिलताओं के आधार पर भिन्न होती हैं। मेनिनजाइटिस के सामान्य लक्षण हैं ।

उदयपुर जिले में थाना फलासिया पुलिस ने किया ब्लाईंड मर्डर का खुलासा

बेटी ने प्रेमी को 1 लाख का लालच देकर कराई थी पिता की हत्या, चार अभियुक्त गिरफ्तार, नाबालिग डिटेन

संजीवनी टुडे

जयपुर/उदयपुर। फलासिया थाना इलाके में आमलिया निवासी युवक के ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने खुलासा कर चार आरोपियों करण पुत्र नाथू लाल व रामलाल निवासी खरडिया थाना झाडोल, पवन पुत्र भैरूलाल निवासी बांसवारी थाना झाडोल एवं शीला पुत्री दिनेश निवासी आमलिया को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी योगेश गोयल ने बताया कि 29 सितंबर को आमलिया गांव निवासी दिनेश पुत्र भूराजी गमार का शव घर के आंगन में चारपाई पर परिजनों को सन्दिग्ध अवस्था में मिला था। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान भी थे। मृतक के भाई गोपाल की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के खुलासे एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल व सीओ महावीर सिंह शेखावत के सुपरविजन तथा एसएचओ सीताराम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। अनुसंधान में मृतक की पुत्री शीला

कुमारी की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर गठित टीम द्वारा मनौवेज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गई तो शीला ने अपने प्रेमी करण व उसके दोस्तो के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या करना स्वीकार किया। जिस पर हत्या कर फरार हुए आरोपी करण व रामलाल को राजकोट से, पवन को झाडोल थाना क्षेत्र से, बाल अपचारी को करेल थाना फलासिया से डिटेन किया गया। पूछताछ में सभी ने दिनेश की हत्या करना स्वीकार किया। मृतक दिनेश की पुत्री शीला ने अपने प्रेमी करण को कहा कि मेरे पापा मेरे साथ मारपीट, गाली गलौच व गलत हरकते करते है तथा मेरी मम्मी को भी बहुत मारते है। मेरे पिताजी दूसरी पत्नी लेकर आया उसके बाद से बहुत ज्यादा परेशान करता है, इनको मारना पड़ेगा। तू यहा आकर मेरे पापा को जान से मार दे या किसी से मरवा दे हम तुमको 01 लाख रूपये देंगे। उसके बाद करण ने शीला के पापा को मारने का प्लान बनाया। इसके बाद 28 सितम्बर को रात के समय करण ने अपने दोस्त रामलाल, पवन व नाबालिग बालक के साथ मिलकर दिनेश पुत्र भूराजी निवासी आमलिया की हत्या कर दी।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024ः

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर के विशेषज्ञों ने कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के बारे में बात की

संजीवनी टुडे

जयपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, 10 अक्टूबर को विश्व स्तर पर मनाया जाता है, जहां इस वर्ष की थीमः 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का समय' के अनुरूप मानसिक स्वास्थ्य के अनुकूल कार्यस्थलों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर में मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के विशेषज्ञ डॉ तुषार कांत का कहना है कि जो हमें अपनी मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान देने के लिए बहुत कम या कोई समय नहीं देती है - चाहे वह चिंता, तनाव, घबराहट के दौरे या अवसाद हो, सभी को काउन्सलिंग को प्राथमिकता देनी चाहिए । वह यह भी कहते हैं कि यह समझने के लिए नैदानिक सहायता लेना महत्वपूर्ण है कि किसी व्यक्ति के लिए किस तरह की परामर्श

या उपचार विकल्प सबसे उपयुक्त होंगे। भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश में, जहां 40% कर्मचारी कार्यस्थल पर तनावग्रस्त हैं फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर में मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के विशेषज्ञ डॉ. तुषार कांत कहते हैं, ''कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करना अब वैकल्पिक नहीं है बल्कि यह महत्वपूर्ण है। आज के उच्च दबाव वाले वातावरण में, विशेष रूप से शहरी भारत में, कर्मचारी तनाव-प्रेरित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील होते जा रहे हैं। हमें एक दयालु, स्टिग्मा -मुक्त संस्कृति बनाने की आवश्यकता है जहाँ कर्मचारी अपने संघर्षों पर चर्चा करने में सुरक्षित महसूस करें। कार्यों को प्राथमिकता दें और व्यवस्थित करेंः कार्यों को छोटे, प्रबंधनीय चरणों में विभाजित करें। समय-सीमाओं से अभिभूत होने से बचने के लिए तात्कालिकता और महत्व के आधार पर प्राथमिकता दें। नियमित ब्रेक लेंः काम के घंटों के दौरान छोटे ब्रेक आपके दिमाग को शांत करने और तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। ध्यान केंद्रित करने के लिए पोमोडोरो तकनीक (25 मिनट काम करने के बाद 5 मिनट का ब्रेक) जैसी तकनीकों का उपयोग करें। गहरी साँस लेने का अभ्यास करेंः सरल साँस लेने के व्यायाम, जैसे कि चार की गिनती तक गहरी साँस लेना, चार तक रोकना और चार तक साँस छोड़ना, आपके तंत्रिका तंत्र को शांत करने और तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। हाइड्रेटेड रहें और स्वस्थ भोजन करेंः उचित पोषण और हाइड्रेशन ऊर्ज़ा के स्तर को बनाए रखने और तनाव से निपटने की आपकी क्षमता में सुधार करने में मदद करते हैं। बहुत अधिक कैफीन से बचें, क्योंकि यह चिंता बढ़ा सकता है। सीमाएँ निर्धारित करेंः उन कार्यों को ''नहीं'' कहना सीखें जो अत्यावश्यक नहीं हैं या जिन्हें सौंपा जा सकता है। सीमाएँ निर्धारित करने से आपको अपनी क्षमता से अधिक काम लेने से बचने में मदद मिलेगी। शारीरिक रूप से सक्रिय रहेंः नियमित शारीरिक गतिविधि, जैसे तेज चलना या स्ट्रेचिंग व्यायाम, एंडोर्फिन जारी करके तनाव को कम कर सकते हैं और आपके मूड को बेहतर बना सकते हैं।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

राष्ट्रवाद का अतिरेक और साम्राज्यवाद, औपनिवेशिकवाद के मलीन मंसूबे

राष्ट्रवाद की मूल भावना से राष्ट्र में एकता अखंडता की संभावनाएं बलवती होती हैं। हम सब एक हैं इसकी इच्छा तथा भावना दोनों पनपती हैं और इन सद्भावनाओं के पीछे इतनी शक्ति ,ऊर्जा एवं ताकत होती है कि विदेशी आक्रांताओं की गुलामी से निजात पाई जा सकती है।राष्ट्रवाद से स्वतंत्रता तथा संप्रभुता प्राप्त की जा सकती हैद्य किंतु इतिहास तथा अतीत में कुछ संदर्भित घटनाएं ऐसी हुई है जिससे इसके दुष्परिणाम एवं दुष्प्रभाव प्रकट हुए हैं।जिसका दुष्परिणाम एक देश ,एक महाद्वीप ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में प्रकट हुआ हैद्य दूसरी तरफ राष्ट्रवाद के अतिरेक या अंधराष्ट्रवाद के परिणाम स्वरूप उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद ने जन्म लिया है ।इसी के परिणाम स्वरूप अफ्रीका महाद्वीप में बंटवारा हुआ वहां के निवासियों के साथ पशु तुल्य व्यवहार किया गया और हमारे देश यानी भारत जैसे आत्मनिर्भर, संपन्न, खुशहाल देश को गुलाम बनाया गया और गरीबी, भूखमरी, अकाल ,कुपोषण जैसी विसंगतियों के साथ निवासियों को जीने के लिए मजबूर कर दिया गयाद्य राष्ट्रवाद की भावना ने संपूर्ण गुलाम देशों में एक चिंगारी भर दी थी जिससे जन-जन एक योद्धा बन गया था ,और भारत अफ्रीका दक्षिण पूर्वी देश इस जिजीविषा के दम पर स्वतंत्र हो गए थे। यही राष्ट्रवाद की भावना है जिससे वहां के नागरिक कठिन से कठिन परिस्थिति में भी देश की सुरक्षा करने को अपने आप को प्रेरित करते हैं और देशभक्ति की भावना के कारण ही किसी भी देश का विकास होता हैद्य राष्ट्रवाद मानवता से ऊपर नहीं हैद्य राष्ट्रवाद एक विशेषता है, किंतु अंध राष्ट्रवाद घातक भी हो सकता हैद्य मानवता और राष्ट्रवाद की तुलना करना बेमानी है यह सर्वमान्य तथ्य है कि मानवता सर्वोपरि है। उसके पश्चात ही किसी देश या व्यक्ति का राष्ट्रवाद आता हैद्य यह अत्यंत ही रोचक बात है कि राष्ट्रवाद ने हीं साम्राज्यवाद उपनिवेशवाद को जन्म दिया है, और राष्ट्रवाद ने ही इसका सर्वनाश भी कियाद्य यह राष्ट्रवाद का अतिरेक ही था कि नेपोलियन द्वारा फ्रांस की इस भावना के अंतर्गत यूरोपीय राजनीति को जटिल बना दिया था एवं बिस्मार्क को राष्ट्रवाद के अतिरेक ने प्रेरित कर संपूर्ण यूरोप को शतरंज की गोटियां की तरह अस्त-व्यस्त कर दिया थाद्य यह राष्ट्रवाद का विकृत रूप ही था जब हिटलर और मुसोलिनी जैसे कट्टरपंथियों ने नाजीवाद तथा फासीवाद की आड़ में संपूर्ण विश्व को विश्व युद्ध की भयानक विभीषिका में झोंक दिया एवं लाखों लोगों मृत्यु तथा अरबों रुपए के जानमाल की हानि का कारण बने थेद्य अंध राष्ट्रभक्ति के कारण युद्ध में लाखों लाख सैनिकों की मौत हुई, महिलाएं विधवा हो गई बच्चे अनाथ हो गए एवं मानवतातहस-नहस हो गई थीद्य उल्लेखनीय है कि सोवियत संघ तथा अमेरिका के आपस में परस्पर पारंपरिक दुश्मनी के कारण साम्यवाद तथा पूंजीवाद की विचारधारा की बुनियाद पर पूरा संसार दो गुटों में बट गया और शस्त्र अस्त्र की होड़ लग गई है,अधिकांश देशों का खर्च विकास की बजाए सैन्य ताकत बढ़ाने और अपनी सीमा की रक्षा में होने लगा। युद्ध की आकांक्षा के अतिरेक में मानवता भयभीत होकर सिसकने लगी। वर्तमान संदर्भ में रूस यूक्रेन युद्ध भी पुतिन की राष्ट्रवादी सोच एक विकृत रूप ले चुकी है और विस्तार वाद तथा साम्राज्यवाद के चलते पुतिन ने 24 अप्रैल 2022 यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया जो आज तक जारी है। पूरा विश्व इस साम्राज्यवादी युद्ध को सिर्फ दूर से देखने का कार्य ही कर रहा है, विश्व युद्ध की आशंका से न तो अमेरिका और ना ही यूरोपीय देश इसमें सक्रिय हस्तक्षेप ही कर पा रहे हैं। यह अंध राष्ट्रवाद के सामने मानवता मजबूर हो चुकी है। यूक्रेन के लगभग एक करोड़ से ज्यादा लोग यूक्रेन से पलायन कर दूसरे देशों में शरणार्थी बनकर जीवन यापन करने पर मजबूर हैं। दूसरी तरफ इस युद्ध में लाखों लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं। अभी भी यूक्रेन में कई शहरों में बड़ी इमारतों के मलबे से सैकड़ों शव निकाले जा रहे हैं, क्या यह मानवता की हार नहीं है? साम्राज्यवाद और विस्तारवाद के चलते विश्व युद्ध की आशंका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवता के सर पर मंडरा रही है। राष्ट्रवादिता किसी भी मनुष्य या शासक पर एक सीमा तक ही उचित है, इसका अतिरिक्त सदेव हिंसा युद्ध और पछतावे को जन्म देता है। देशभक्ति किसी भी शासक के लिए जब अंधदेशभक्ति अतिरेक बन जाती है तो वह मानवता के लिए सदैव खतरनाक होती है। अतः आज के युग में राष्ट्रवाद देशभक्ति और मानवता के महीन अंतर को समझ कर ही नीति तैयार होनी चाहिए। भारत वर्ष सदैव शांति सद्भावना और मित्रतता नीति अपनाते आया है एवं वसुधैव कुटुंबकम भावनाओं को लेकर चला है, विश्व को भारत को आदर्श मानकर उसकी नीति का अनुसरण करना चाहिए तब जाकर सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय हो सकता है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

शादी-ब्याह: बढ़ता दिखावा-घटता अपनापन

विचार बिन्दु

डॉ सत्यवान सौरभ

भौतिकता की पराकाष्ठा के समय में जिसमें प्रत्येक कार्य व रिश्तों को धन की बुनियाद पर खड़ा किया जाने लगा है और वो सम्पूर्ण मानव जाति के लिये घातक कदम साबित हो रहा हैं सम्प्रति विवाहों में धन का प्रदर्शन किन-किन तरीकों से होने लगा है सब कल्पनातीत है, आज इंसान को अपने धन की बाहुलता को सिद्ध करने का अवसर विवाह ही नजर आता है और वो ऐसा मान बैठा की विवाह से अच्छा कोई अवसर नहीं है जहाँ धनखर्च किया जाए ? जबकि विवाह एक संस्कार है जिसमें मानवीय व सामाजिक मूल्यों की मर्यादा का पालन करते हुए सम्पन्न करना आपेक्षित होता है।

हम बात करेंगे शादी समारोहो में होने वाली भारी-भरकम व्यवस्थाओं और उसमें खर्च होने वाले अथाह धन राशि के दुरुपयोग की। सामाजिक भवन अब उपयोग में नहीं लाए जाते हैं, शादी समारोह हेतु यह सब बेकार हो चुके हैं कुछ समय पहले तक शहर के अंदर मैरिज हॉल में शादियां होने की परंपरा चली परंतु वह दौर भी अब समाप्ति की ओर है ! अब शहर से दूर महंगे रिसोर्ट में शादियां होने लगी है। शादियों के आयोजन के लिए बड़े नामी-गिरामी सैवन स्टार होटल बुक करने की भी परिपाटी बनती जा रही है। इन होटलों में लाखों रुपए खर्च कर शादी का सैट खड़ा किया जाने लगा है। शादी के 2 दिन पूर्व से ही ये रिसोर्ट बुक करा लिया जाते हैं और शादी वाला परिवार वहां शिफ्ट हो जाता ह। आगंतुक और मेहमान सीधे वही आते हैं और वहीं से विदा हो जाते हैं। इतनी दूर होने वाले समारोह में जिनके पास अपने चार पहिया वाहन होते हैं वहीं पहुंच पाते हैं और सच मानिए समारोह के मेजबान की दिली इच्छा भी यही होती है कि सिर्फ कार वाले मेहमान ही रिसेप्शन हॉल में आये। और वह निमंत्रण भी उसी श्रेणी के अनुसार देता है दो तीन तरह की श्रेणियां आजकल रखी जाने लगी है।

ऐसी शादियों को देखकर मध्यम व निम्न वर्ग भी शादियों में पैसे को पानी की तरह बहाने से जरा भी नहीं हिचकिचा रहे। यहां तक कि लोग शादी में अपना स्तर, रुतबा और झूठी शानो-शौकत का प्रदर्शन करने के लिए कर्ज लेकर भी महंगी शादियां आयोजित कर रहे हैं। एक मजेदार चीज और है। जो शादी ड्रीम वैडिंग कही जाती थी, उसे टूटने में दो पल नहीं लगते। कल तक जहां तलाक इक्का-दुक्का सुनाई देते थे, वे आज सैंकड़ों गुना बढ़ गए हैं। किसको सिर्फ लेडीज संगीत में बुलाना है !किसको सिर्फ रिसेप्शन में बुलाना है। किसको कॉकटेल पार्टी में बुलाना है। और किस वीआईपी परिवार को इन सभी कार्यक्रमों में बुलाना है। इस आमंत्रण में अपनापन की भावना खत्म हो चुकी है। सिर्फ मतलब के व्यक्तियों को या परिवारों को आमंत्रित किया जाता है। भौतिकता की पराकाष्ठा के समय में जिसमें प्रत्येक कार्य व रिश्तों को धन की बुनियाद पर खड़ा किया जाने लगा है और वो सम्पूर्ण मानव जाति के लिये घातक कदम साबित हो रहा हैं सम्प्रति विवाहों में धन का प्रदर्शन किन-किन तरीकों से होने लगा है सब कल्पनातीत है, आज इंसान को अपने धन की बाहुलता को सिद्ध करने का अवसर विवाह ही नजर आता है और वो ऐसा मान बैठा की विवाह से अच्छा कोई अवसर नहीं है जहाँ धनखर्च किया जाए ?

जबकि विवाह एक संस्कार है जिसमें मानवीय व सामाजिक मूल्यों की मर्यादा का पालन करते हुए सम्पन्न करना आपेक्षित होता है। इसलिए विवाह को सोलह संस्कारों में स्थान मिला है। इस संस्कार में रिश्तेदारों का मिलना जुलना शुभ माना जाता है मगर आजकल की शादियों में प्रत्येक परिवार अलग-अलग कमरे में ठहरते हैं जिसके कारण दूरदराज से आए बरसों बाद रिश्तेदारों से मिलने की उत्सुकता कहीं खत्म सी हो गई है। क्योंकि सब अमीर हो गए हैं पैसे वाले हो गए है। मेल मिलाप और आपसी स्नेह खत्म हो चुका है। रस्म अदायगी पर मोबाइलों से बुलाये जाने पर कमरों से बाहर निकलते हैं। सब अपने को एक दूसरे से रईस समझते है। और यही अमीरीयत का दंभ उनके व्यवहार से भी झलकता है। कहने को तो रिश्तेदार की शादी में आए हुए होते हैं परंतु अहंकार उनको यहां भी नहीं छोड़ता। वे अपना अधिकांश समय करीबियों से मिलने के बजाय अपने अपने कमरो में ही गुजार देते हैं। आज सब कुछ विपरीत हो रहा है ना तो परवाह है रीति रिवाजों की ना सामाजिक मूल्यों की बस यदि है तो मीनू के कितने प्रकार के व्यंजन है, पेय पदार्थ कितने हैं, बाहरी साज सज्जा कैसी है यदि इसमें कोई कमी रह जाती है तो सगे सम्बन्धी, मित्रगण अपनी प्रतिकूल टिप्पणी करने में देरी नहीं करते जबकि विवाह सामाजिक समरसता को उर्वर बनाने का माध्यम है।

और इन सबकी आलोचना से बचने के लिए इंसान जिसके पास धन की कमी है वो किसी वित्तीय संस्था या साहुकार से कर्ज लेकर उनकी आलोचना से बचने का प्रयास करता है। इस झूठी संस्कृति ने निम्न वर्ग को उच्च वर्ग की नकल करने के लिए, अपना शोषण करवाने को मजबूर कर दिया अब विवाहों में नैसर्गिक खुशियों का स्थान कृत्रिम साधनों के द्वारा अर्जित खुशियों ने ले लिया है। जिसमें मानसिक संतुष्टी के स्थान पर मानसिक अवसाद पनपने लगता है। हमारी संस्कृति को दूषित करने का बीड़ा ऐसे ही अति संपन्न वर्ग ने अपने कंधों पर उठाए रखा है। शादीसमारोह में रस्म से ज्यादा दिखावा हो रहा है। पूजा-पाठ, मंत्रोच्चारण और सात फ़ेरे से ज्यादा लोग नृत्य-गीत में लोग मशगूल हो रहते हैं। इससे किसी को क्या दिक्कत हो रही है, इसे कोई नहीं सोचता। अब थीम शादी का प्रचलन बढ़ा है। इससे समाज में गलत और आडंबर शुरू हो रहा है। विवाह समारोह के मुख्य स्वागत द्वार पर नव दंपत्ति के विवाह पूर्व आलिंगन वाली तस्वीरें, हमारी विकृत हो चुकी संस्कृति पर सीधा तमाचा मारते हुए दिखती हैं। अंदर एंट्री गेट पर आदम कद स्क्रीन पर नव दंपति के विवाह पूर्व आउटडोर शूटिंग के दौरान फिल्माए गए फिल्मी तर्ज पर गीत संगीत और नृत्य चल रहे होते हैं। आशीर्वाद समारोह तो कहीं से भी नहीं लगते हैं पूरा परिवार प्रसन्न होता है अपने बच्चों के इन करतूतों पर। पास में लगा मंच जहां नव दंपत्ति लाइव गल - बहियाँ करते हुए मदमस्त दोस्तों और मित्रों के साथ अपने परिवार से मिले संस्कारों का प्रदर्शन करते हुए दिखते हैं।

बन्धुओं मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है । हम एक दूसरे के जीवन के सेतू बने यही मानवीय धर्म है। यदि हमारे पास धन की प्रचुरता है तो अपना प्रारब्ध समझे और साथ में इसके अविवेकपूर्ण अपव्यय पर लगाम लगाएं, और इसे साधर्मी बन्धुओं के उत्थान के कार्यों में जो आज आर्थिक विपन्नता के शिकार हैं उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़े उनका सहारा बनने का प्रयास करें। आपका पैसा है,आपने कमाया है,आपके घर खुशी का अवसर है खुशियां मनाएं,पर किसी दूसरे की देखा देखी नही। कर्ज लेकर अपने और परिवार के मान सम्मान को खत्म मत करिएगा। जितनी आप में क्षमता है उसी के अनुसार खर्चा करियेगा। 4 - 5 घंटे के रिसेप्शन में लोगों की जीवन भर की पूंजी लग जाती है। और आप कितना ही बेहतर करें लोग जब तक रिसेप्शन हॉल में है तब तक आप की तारीफ करेंगे। और लिफाफा दे कर आपके द्वारा की गई आव भगत की कीमत अदा करके निकल जाएंगे। अपने परिवार की हैसियत से ज्यादा खर्चा करने के लिए अपने परिजनों को मजबूर न करें। दिखावे की इस सामाजिक बीमारी को अभिजात्य वर्ग तक ही सीमित रहने दीजिए। विवाह की नहीं आप वास्तव में दिखावे की तैयारी कर रहे हो। अगर लोन या कर्ज़ाले लेकर दिखावा कर रहे हो। हमारे ऋषियों ने कहा है कि जो जरूरी काम है वह करो। ठीक है समय के साथ रीति रिवाज बदल गए हैं। मगर दिखावे से बचना चाहिए।

प्रदोष व्रत करने से सुख-समृद्धि और सौभाग्य की होती है प्राप्ति

शुक्र प्रदोष व्रत में कुछ सावधानियां बरतें। इसके लिए सबसे पहले अपने घर पर आई हुई सभी स्त्रियों को मिठाई खिलाएं और जल पिलाएं। साथ में घर और घर के मंदिर में साफ-सफाई का जरूर ध्यान रखें। शंकर जी पूजा में काले गहरे रंग के कपड़े न पहनें। शुक्रवार को पड़ने वाले प्रदोष व्रत को शुक्र प्रदोष कहा जाता है। शुक्र प्रदोष व्रत से सुख-समृद्धि तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है। तो आइए हम आपको शुक्र प्रदोष व्रत के बारे में कुछ खास जानकारी देते हैं। शुक्र प्रदोष व्रत करने से शिव जी की कृपा बनी रहती है। इस व्रत से जीवन में किसी प्रकार का अभाव नहीं रहता है और रोगों पर होने वाले खर्चों में कमी आती है। साथ ही दाम्पत्य जीवन में आने वाला क्लेश दूर हो जाता है और डायबिटीज में भी आराम मिलता है। शुक्र प्रदोष व्रत में कुछ सावधानियां बरतें। इसके लिए सबसे पहले अपने घर पर आई हुई सभी स्त्रियों को मिठाई खिलाएं और जल पिलाएं। साथ में घर और घर के मंदिर में साफ-सफाई का जरूर ध्यान रखें। शंकर जी पूजा में काले गहरे रंग के कपड़े न पहनें। व्रत के दौरान मन में दुष्विचार ना आने दें। अपने गुरु और पिता के साथ अच्छा व्यवहार करें। प्राचीन काल में एक नगर में राजकुमार, ब्राह्मण कुमार और धनिक पुत्र तीन मित्र रहते थे। इन मित्रों में राजकुमार, ब्राह्मण कुमार अविवाहित थे लेकिन धनिक पुत्र का विवाह हो गया था लेकिन गौना बाकी था। तीनों मित्र एक दिन बात कर रहे थे कि स्त्रियों के घर विरान होता है और उसमें भूत निवास करते हैं। उसके बाद धनिक पुत्र अपने ससुराल गया और विदाई की जिद करने लगा। इस पर उसके ससुराल वालों ने कहा कि अभी शुक्र देव डूबे हैं, अभी विदाई करना ठीक नहीं है। लेकिन धनिक पुत्र नहीं माना और अपनी पत्नी विदा कर ले आया। रास्ते में बैलगाड़ी का पहिया टूट गया और दोनों पति-पत्नी गिर गए उन्हें चोट लग गयी। उसके बाद उन्हें रास्ते में डाकू मिले जो सारा धन लूटकर ले गए। इसके बाद भी परेशानी कम नहीं हुई घर पहुंच कर धनिक पुत्र को सांप ने काट लिया और वैद्य ने कहा कि यह केवल तीन दिन तक जीवित रहेगा। तब धनिक पुत्र के घर वाले उसके मित्र ब्राह्मण कुमार को बुलाए। ब्राह्मण कुमार ने धनिक के मां-बाप को शुक्र प्रदोष का व्रत करने की सलाह दी और धनिक को उसकी पत्नी के साथ ससुराल भेज दिया। इस प्रकार शुक्र व्रत के प्रभाव से धनिक पुत्र की समस्याएं कम हो गयीं और वह धीरे-धीरे ठीक हो गया। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 10 अक्टूबर को शाम 7 बजकर 52 मिनट से होगा। यह मुहूर्त 11 अक्टूबर को रात 10 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। शुक्र प्रदोष व्रत में पूजा का मुहूर्त 11 अक्टूबर को शाम 05 बजकर 56 मिनट से रात 08 बजकर 25 मिनट तक है। इस मुहूर्त में ही भगवान शिव की उपासना करना भक्तों हेतु फलदायी होगा। शुक्र प्रदोष के दिन सुबह उठकर स्नान कर हल्के रंग के सफ़ेद या गुलाबी रंग वस्त्र धारण करें। इसके बाद सूर्य देव को तांबे के लोटे में जल के साथ चीनी मिलाएं और अघर्य दें। भगवान शिव के मन्त्र ?नमः शिवाय का जाप करें। भगवान शिव को पंचामृत (दूध दही घी शहद और शक्कर) से स्नान कराएं। उसके बाद शुद्ध जल से स्नान कराकर रोली, मौली और चावल धूप दीप से पूजा करें। साबुत चावल की खीर बनाएं और फल शंकर जी को चढ़ाएं।

लेखनी का धर्म

लेखनी ही जब पहचान हो
उसका धर्म ही उसकी शान हो
कवि लेखक या साहित्यकार
कहलाने के लिए नहीं
आत्मा से सच्चा साथ
निभाने के लिए
कभी हृदय की अपार पीड़ा
को कविता में ढाल
अच्छी और सच्ची दोस्त बनती
तो कभी प्रेमी बन
मुझमें उद्दात भावों को जगा
जीवन बदल
कोमल,उदार बनाती
तो कभी लोगों के दिलों में
संवेदनाओं पर जमी बर्फ को
पिघलाने के लिए
रोष प्रकट कर
शब्दों से ज्वाला धधकाती
सच कलम तुम अपना धर्म
बखूबी निभाती
सत्य कहने से किंचित भी
तुम न घबराती
सारी धरती की समस्याओं को
सहजता से कागज पर उड़ेल जाती
पर उद्विग्न हूँ, रोष से ग्रसित हूँ
'रेप'शब्द अट्हास बन
गूंज रहा है
कानों में मेरे विष घोल रहा है
दिन रात हमको तोड़ रहा है
क्यों नहीं उनके मुंह पर ताले
लगवाती?
क्यों नहीं तुम उसको रुकवाती?

रेनू शब्दमुखर
हिंदी विभागाध्यक्ष
ज्ञानविहार स्कूल
जयपुर

जलते हैं केवल पुतले, रावण बढ़ते जा रहे?

विचार बिन्दु

प्रियंका सौरभ

(रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार)

दशहरे पर रावण का दहन एक ट्रेंड बन गया है। लोग इससे सबक नहीं लेते। रावण दहन की संख्या बढ़ाने से किसी तरह का फायदा नहीं होगा। लोग इसे मनोरंजन के साधन के तौर पर लेने लगे हैं। हमें अपने धार्मिक पुराणों से प्रेरणा लेनी चाहिए। रावण दहन के साथ दुर्गुणों को त्यागना चाहिए। रावण दहन दिखाने का अर्थ बुराइयों का अंत दिखाना है। हमें पुतलों की बजाय बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में अपराध, बुराई के रावण लगातार बढ़ रहे हैं। इसमें रिश्तों का खून सबसे अधिक हो रहा है। मां, बाप, भाई, बहन, बच्चों तक की हत्या की जा रही है। दुष्कर्म के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हर साल विजयादशमी में रावण वध देखते हैं तो मन में आस होती है कि समाज में बसे रावण कम होंगे। लेकिन ये तो रक्तबीज के समान है। रावणों की संख्या में बेहिसाब इजाफा हो रहा है। एक कटे सौ पैदा हो रहे हैं। वो तो फिर भी महान था। विद्वान था, नीति पालक था, शूरवीर था, कर्तव्यनिष्ठ था, सच्चा शासक था, अच्छा पति था, अच्छा भाई था, भगवान शिव का उपासक था। सीता का हरण किया, लेकिन बुरी नजर से नहीं देखा। विवाह का निवेदन किया लेकिन जबरन विवाह नहीं किया। एक गलती की जिसकी उसे सजा भुगतनी पड़ी, मगर आज के दौर में हजारों अपराध करने के बाद भी रावण सरेआम सड़कों पर घूम रहे हैं, कोई लाज नहीं, शर्म नहीं। दशहरे पर रावण का दहन एक ट्रेंड बन गया है। लोग इससे सबक नहीं लेते। रावण दहन की संख्या बढ़ाने से किसी तरह का फायदा नहीं होगा। लोग इसे मनोरंजन के साधन के तौर पर लेने लगे हैं। देश में रावण की लोकप्रियता और अपराधों का ग्राफ लगातार ऊंचा होता जा रहा है। पिछले वर्ष के मुकाबले हर बरस देश के विभिन्न हिस्से में तीन गुणा अधिक रावण के पुतले फूंके जाते हैं। इसके बावजूद अपराध में कोई कमी आएगी, इसके बढ़ते आंकड़े देखकर तो ऐसा नहीं लगता। हमें अपने धार्मिक पुराणों से प्रेरणा लेनी चाहिए। रावण दहन के साथ दुर्गुणों को त्यागना चाहिए। रावण दहन दिखाने का अर्थ बुराइयों का अंत दिखाना है। हमें पुतलों की बजाय बुराइयों को छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। समाज में अपराध, बुराई के रावण लगातार बढ़ रहे हैं। इसमें रिश्तों का खून सबसे अधिक हो रहा है। मां, बाप, भाई, बहन, बच्चों तक की हत्या की जा रही है। दुष्कर्म के मामले भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं।रावण सर्वज्ञानी था, उसे हर एक चीज का अहसास होता था क्योंकि वह तंत्र विद्या का ज्ञाता था। रावण ने सिर्फ अपनी शक्ति एवं स्वयं को सर्वश्रेष्ठ साबित करने में सीता का अपहरण अपनी मर्यादा में रहकर किया। अपनी छाया तक उस पर नहीं पड़ने दी। आज का रावण धूर्त है, जाहिल है, व्यभिचारी है, दहेज के लिए पत्नी को जलाता है, शादी की नियत से महिलाओं का अपहरण करता है। इस कुकृत्य में असफल हुआ तो बलात्कार भी। धर्म के नाम पर कत्लेआम करता है, लड़ने की शक्ति उसमें नहीं है, सो दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर चलाता है। नीतियों से उसका कोई वास्ता नहीं है, पराई नारी के प्रति उसके मन में कोई श्रद्धा नहीं। राजा अपने फायदे देख के जनता की सेवा करता है। आज का रावण उस रावण से क्रूर है, खतरनाक है, सर्वव्यापी है। वह महलों में रहता है। गली-कूचों में रहता है। गांव में भी है। शहर में भी है। वह गवार भी है। पढ़ा-लिखा भी है। लेकिन राम नहीं है कि उसकी गर्दन मरोड़ी जा सके। बस एक आस ही तो है कि समाज से रावणपन चला जाएगा खुद-ब-खुद एक दिन। रावण के दुख, अपमान और मृत्यु का कारण कोई नहीं था। रावण की मृत्यु का मुख्य कारण वासना थी, जो उसके अंतिम विनाश का कारण था। इतिहास इस बात का गवाह है कि कामुक पुरुष (और महिलाएं भी) कभी सुखी नहीं रहे। विपरीत लिंग के प्रति उनके जुनून के कारण कई शक्तिशाली राजाओं ने अपना राज्य खो दिया। रावण ने सीता की शारीरिक सुंदरता के बारे में सुना, फिर उस पर विचार करना शुरू कर दिया और अंततः उस गलत इच्छा पर कार्य करना शुरू कर दिया। और अंत में वासना ही रावण की मृत्यु का मुख्य कारण बनी। लंकापति रावण महाज्ञानी था लेकिन अहंकार हो जाने के कारण उसका सर्वनाश हो गया। रावण परम शिव भक्त भी था। तपस्या के बल पर उसने कई शक्तियां अर्जित की थीं। रावण की तरह उसके अन्य भाई और पुत्र भी बलशाली थे। लेकिन आचरण अच्छे न होने के कारण उनके अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे थे जिसके बाद भगवान ने राम के रूप में अवतार लिया और रावण का वध किया। वाल्मीकि रामायण में रावण को अधर्मी बताया गया है। क्योंकि रावण ज्ञानी होने के बाद भी किसी भी धर्म का पालन नहीं करता था। यही उसका सबसे बड़ा अवगुण था।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

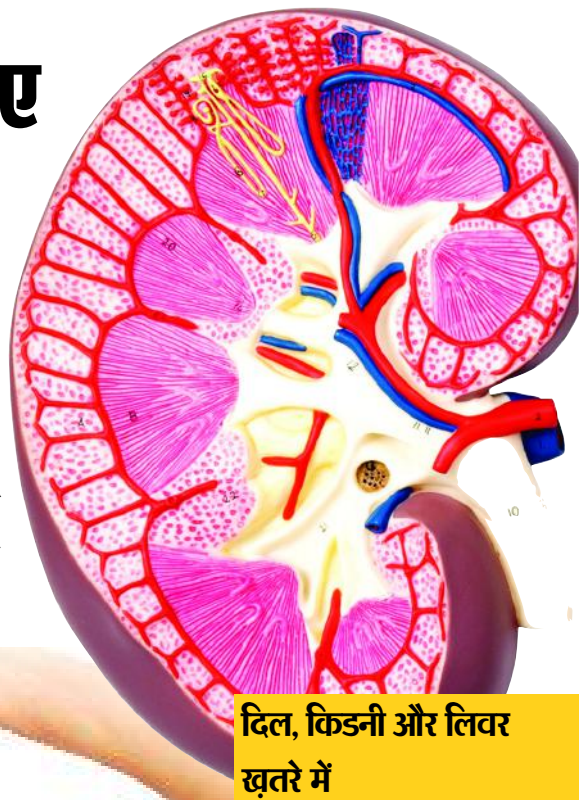

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

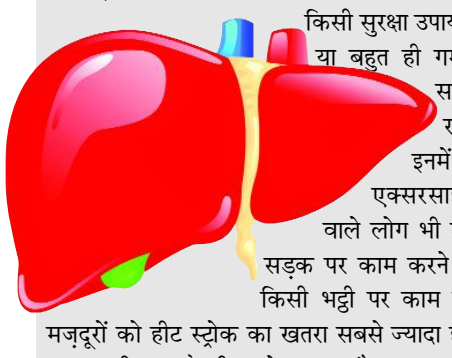

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है। एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

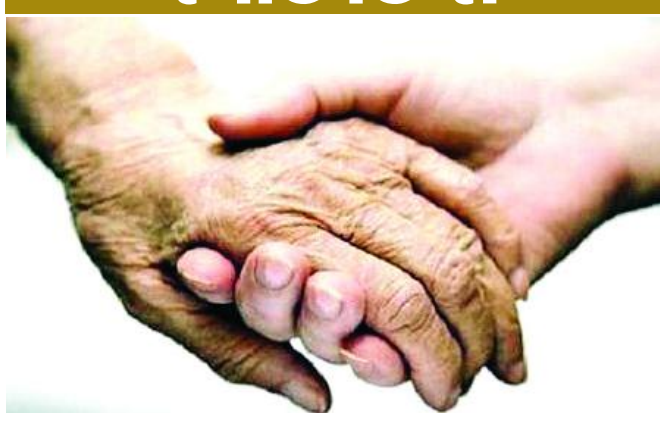

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

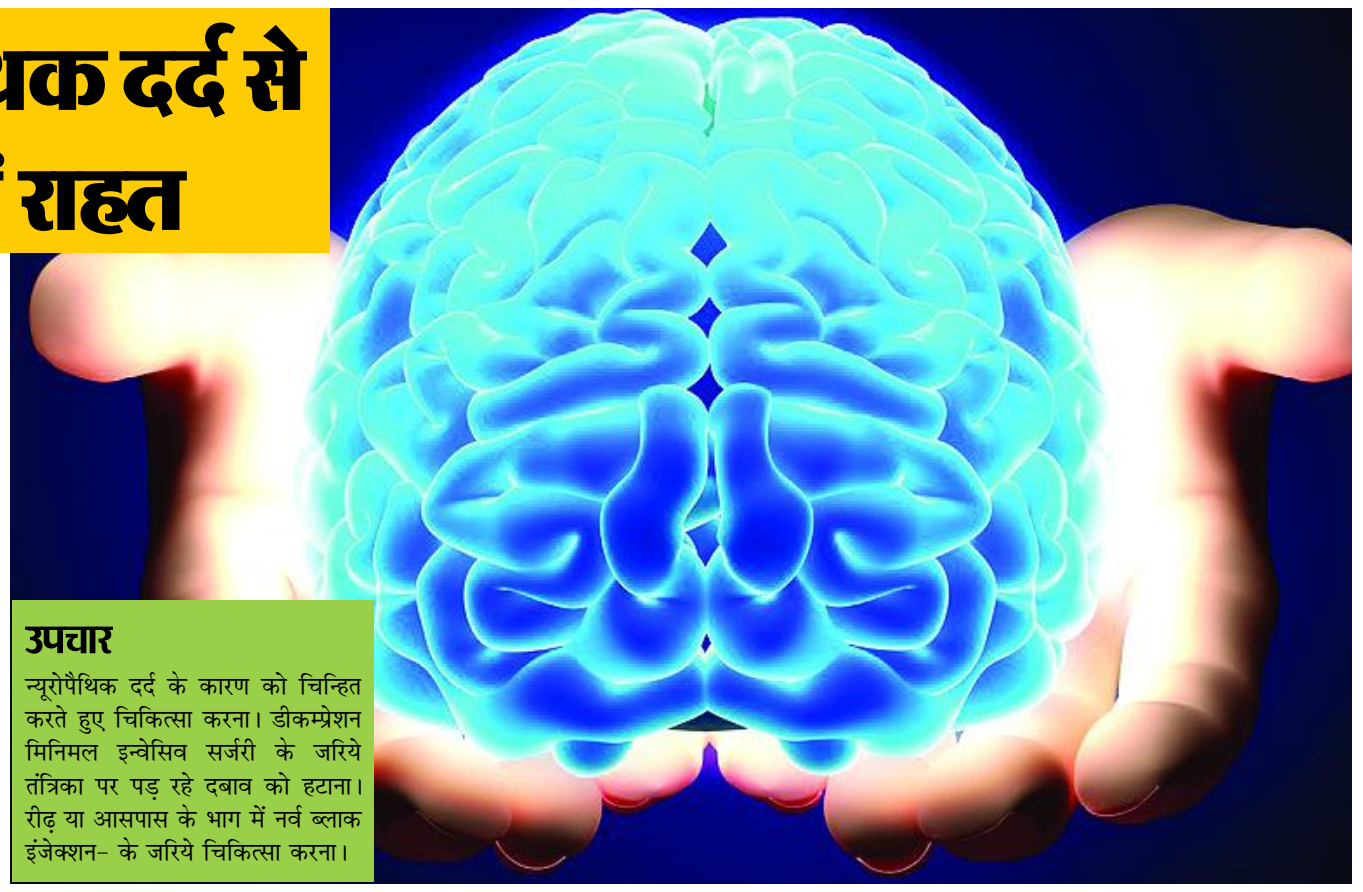

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्राय: शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दु:खदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अत: उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अत: यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्राय: शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्राय: अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

प्रशांत लेकर आ रहे देश की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म 'महाकाली'

मुंबई। सुपरहिट फिल्म 'हनुमान' बनाने के बाद अब डायरेक्टर प्रशांत वर्मा देश की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म बनाने जा रहा हैं, जिसका नाम 'महाकाली' होगा। यह प्रशांत सिनेमैटिक यूनिवर्स की तीसरी फिल्म होगी। इसकी कहानी और स्क्रीनप्ले दोनों ही प्रशांत वर्मा लिखेंगे। वहीं इसे पूजा अपर्णा कोल्लुरु डायरेक्ट करेंगी। 'महाकाली' में बंगाल के कल्चर पर आधारित होगी और इसमें कुछ मॉडर्न एलिमेंट्स को भी शामिल किया जाएगा। इसे तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में IMAX 3D फॉर्मेट में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में महाकाली का किरदार कौन निभाएगा, यह फिलहाल रिवील नहीं किया गया है। हालांकि, फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर देख फैंस के रोंगटे खड़े हो गए हैं।

लाइफ Style

जान्हवी

'पेद्दाम्मा' रेखा की स्वीकृति रखती है मायने

रेखा और श्रीदेवी दोनों ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की आइकॉनिक स्टार रही हैं। दोनों ने ही देश भर में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता और प्रसिद्धि हासिल की। हाल ही में एक साक्षात्कार में, जान्हवी कपूर ने खुलासा किया कि उनकी मां श्रीदेवी और अभिनेत्री रेखा दोनों ही एक-दूसरे की सोल सिस्टर हैं। दोनों का रिश्ता बेहद खास रहा है।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वह दोनों अक्सर तेलुगु में बातें किया करती थीं ताकि बच्चे उनकी बातों को ना समझें। श्रीदेवी के निधन के बाद रेखा, जान्हवी का मार्गदर्शन कर रही हैं। इसलिए, धड़क अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि वह अब अपने काम के संबंध में मार्गदर्शन के लिए रेखा से सलाह लेती हैं। रेखा भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, जान्हवी कपूर ने इस बारे में जानकारी साझा की कि कैसे रेखा ने उनके जीवन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। जान्हवी ने अपनी मां श्रीदेवी के शोबिज में आने के सफर को याद करते हुए कहा कि वह और रेखा एक बहन की तरह रिश्ता साझा करती थीं। इस बारे में बात करते हुए जान्हवी ने कहा, "जब मां पहली बार हिंदी फिल्मों में शामिल हुईं और खुद को बहुत खोया हुआ महसूस कर रही थीं, तो पेद्दाम्मा ने उन्हें अपने संरक्षण में लिया और वे बहुत लंबे समय तक दोस्त रहीं। जान्हवी ने आगे कहा, मैं लगभग 14 साल की रही होंगी, जब रेखा दोपहर के भोजन के लिए मेरे घर आई थीं और मैंने उनका स्वागत किया था। उन्होंने कहा कि आपको मुझे पेद्दम्मा कहना चाहिए। तेलुगु में, इसका मतलब बड़ी अम्मा है।

हॉलीवुड मसाला

क्रिस्टोफर फिर ला रहे हैं एक बड़ी फिल्म

लांस एंजिलिस। क्रिस्टोफर नोलन अपनी ऑस्कर विनर ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ओपेनहाइमर' के बाद नई फिल्म के लिए यूनिवर्सल के साथ हाथ मिला रहे है। क्रिस्टोफर नोलन अपनी पिछली डायरेक्टोरियल फिल्म 'ओपेनहाइमर' की शानदार सफलता के बाद अपने नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं। इस नए प्रोजेक्ट के लिए नोलन एक बार फिर हॉलीवुड स्टूडियो यूनिवर्सल के साथ-साथ एक्टर मैट डेमन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

टेलर स्विफ्ट बनीं दुनिया की सबसे अमीर म्यूजिशियन

लांस एंजिलिस। टेलर स्विफ्ट, जिनके गानों का हर कोई दीवाना है। वह अब ऑफिशियली दुनिया की सबसे अमीर महिला संगीतकार बन चुकी हैं। उनकी कुल नेट वर्थ करीब 1.6 बिलियन डॉलर बताई जा रही है। सिंगर ने उन्होंने पॉप स्टार रिहाना को भी इस मामले में पीछे छोड़ दिया है, जिनकी नेट वर्थ 1.6 बिलियन डॉलर है। और इस बात की पुष्टि खुद फोर्ब्स ने की है। फोर्ब्स के मुताबिक, स्विफ्ट की संपत्ति का 600 मिलियन डॉलर **Tour** इनकम और रॉयल्टी से आता है। वहीं, 600 मिलियन डॉलर उनके म्यूजिक एल्बम के कॉस्ट से, और 125 मिलियन डॉलर रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट से आता है। ऐसा कहा जाता है कि टेलर स्विफ्ट ने 2023 में अकेले स्पॉटिफाई स्ट्रीमिंग से 100 मिलियन डॉलर की रॉयल्टी हासिल की है, जो उन्हें उनके 2022 के एल्बम 'मिडनाइट्स' और 2023 में 1989 के एल्बम के कारण मिली।

काजोल ने पैपराजी को दिखाई उंगली

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने हर साल की तरह इस बार भी दुर्गा पूजा पंडाल लगाया है। वो पिछले कई सालों से जुहू में मां दुर्गा पूजा पंडाल लगा रही हैं। इस पंडाल में काजोल के परिवार वालों के अलावा बॉलीवुड के तमाम स्टार्स मां दुर्गा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में दुर्गा पूजा पंडाल से एक वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद लोग काजोल को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इस वीडियो में काजोल पैपराजी से उंगली दिखाकर और चुटकी बजाकर गुस्से में बात करती नजर आ रही हैं। दरअसल, पैपराजी जूता पहनकर मां दुर्गा के पंडाल में पहुंचते हैं। पैप्स मां की प्रतिमा के बेहद करीब होते हैं। ये देखकर काजोल को काफी गुस्सा आता है और वो खुद पर कंट्रोल नहीं कर पाती हैं। इस दौरान काजोल के पास आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट भी नजर आ रही हैं।

टल गई गेम चेंजर की रिलीज डेट...

मुंबई। तेलुगु सुपरस्टार राम चरण अभिनीत एक्शन थ्रिलर फिल्म गेम चेंजर का इंतजार लोगों को लंबे समय से है। हाल के दिनों में रिलीज हुए इसके गाने दर्शकों पर अपना जादू चलाने में कामयाब हुए हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की रिलीज डेट को कथित तौर पर टाल दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अब संक्रांति 2025 पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मीडिया रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो गेम चेंजर अब 10 जनवरी, 2025 को संक्रांति उत्सव सप्ताह के दौरान रिलीज होगी। वहीं, अमेरिका में इस फिल्म का प्रीमियर 9 जनवरी को होगा। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा निर्मित फिल्म गेम चेंजर राम चरण के साथ निर्देशक शंकर की पहली फिल्म है।

टीवी मसाला

दुनिया का सबसे बड़ा फैशन इवेंट मेट गाला 5 मई को

लांस एंजिलिस। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फैशन इवेंट 'मेट गाला' पर सबकी नजरें टिकी रहती हैं। इस फैशन इवेंट में बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियां भी शामिल होती हैं। अब तक प्रियंका चोपड़ा से लेकर दीपिका पादुकोण रेड कार्पेट पर जलवा दिखा चुकी हैं। अब मेट गाला 2025 को लेकर भी जानकारी सामने आ गई है। मेट गाला 2025 अगले साल 5 मई को न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। 2025 मेट गाला का थीम 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल' है, जो Black dandyism की अवधारणा को दर्शाता है। ये थीम मोनिका एल मिलर की 2009 की किताब 'स्लेव्स टू फैशनः ब्लैक डैंडीज्म एंड द स्टाइलिंग ऑफ ब्लैक डायस्पोरिक आइडेंटिटी' से प्रेरित है।

वरुण और सामंधा के फैंस के लिए खुशखबरी

मुंबई। वरुण धवन और सामंधा रुथ प्रभु के फैंस के लिए खुशखबरी है, जो उनकी आगामी सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन दोनों के मुख्य भूमिकाओं वाली सीरीज सिटाडेलः हनी बन्नी में दोनों कलाकार जासूस के रूप में नजर आने वाले हैं। अब इस सीरीज के ट्रेलर रिलीज डेट पर से पर्दा उठ गया है। निर्माताओं ने ट्रेलर की रिलीज डेट की जानकारी साझा करते हुए एक मजेदार क्रॉस ओवर दिखाया है, जिसमें द फैमिली मैन से श्रीकांत और जेके नजर आ रहे हैं। हनी बनी के ट्रेलर की तारीख की घोषणा की गई है। इस घोषणा वीडियो में फैमिली मैन से मनोज बाजपेयी और शारिब हाशमी की जासूसी जोड़ी नजर आई है। वीडियो में श्रीकांत, जेके को सामंथा रूथ प्रभु और वरुण धवन के किरदार हनी और बनी की फाइल दिखाते हुए बताते हैं कि वे 90 के दशक की एक टीम हैं और पेजर का इस्तेमाल करते हैं। श्रीकांत कहते हैं कि हनी और बनी उनकी जोड़ी से ज्यादा खतरनाक नहीं हैं।

रजनीकांत को मिली 2024 की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग

मुंबई। सुपरस्टार रजनीकांत और महानायक अमिताभ बच्चन की 'वेट्टैयन' को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत मिली है। हालांकि, इस फिल्म को कोई धमाकेदार ओपनिंग नहीं मिली है, लेकिन फिल्म की थीम और जॉनर को देखते हुए यह मजबूत स्थिति में जरूर है। इतना ही नहीं, थलपति विजय की GOAT के बाद यह 2024 में कॉलीवुड की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म भी बनी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'वेट्टैयन' ने पहले दिन देश में 31.70 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इसमें से तमिल में सबसे अधकि 27.75 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, जो विशुद्ध रूप से रजनीकांत के स्टारडम की बदौलत है। 'वेट्टैयन' ने ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड 67.00 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। इसमें से विदेशों में 30 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है। ओपनिंग डे पर बंपर कमाई नहीं होने का कारण दशहरा भी है। गुरुवार को सप्तमी-अष्टमी की पूजा थी, इस कारण दर्शकों की व्यस्तता उधर भी थी। हालांकि, 300 करोड़ के बजट में बनी 'वेट्टैयन' के लिए जरूरी है कि वह अपनी रफ्तार बढ़ाए।

नयनतारा ने पति संग साझा की रोमांटिक तस्वीरें

मुंबई। अभिनेत्री नयतारा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति संग कुछ रोमेंटिक तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में नयनतारा काफी खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसकों की भी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। नयनतारा ने पति के साथ अपनी 10 तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। नयनतारा लाल साड़ी में और लाल सिंदूर से भरी मांग के साथ बेहद खूबसूरत लग रही हैं। बालों में जूड़े पर लगा गजरा और गोल्डन झुमके उनके लुक को और भी प्यारा बना रहे हैं। नयनतारा अपने पति के साथ रोमेंटिक फोटो शूट करवाती नजर आ रही हैं। नयनतारा के पति इन फोटोज में नीले कुर्ते और बेज धोती पैंट में नजर आ रहे हैं। तस्वीरें काफी रोमेंटिक हैं, जिसमें नयनतारा और विग्नेश एक दूसरे को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं। नयनतारा और विग्नेश के प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी जोड़ी को 'परफेक्ट कपल' बताया है। एक प्रशंसक ने कहा, आपकी जोड़ी बहुत खूबसूरत है और अपनी कैमेस्ट्री भी उतनी ही खूबसूरत है। एक अन्य ने कहा, आप दोनों साथ में बहुत क्यूट लगते हैं।

रामलीला में कोई राम-सीता तो कोई बना भालू

मुंबई। रामलीला हमेशा से भारतीय संस्कृति और परंपरा का अहम हिस्सा रही हैं। नवरात्र और दशहरा जैसे त्यौहारों को रामलीला का मंचन ही परिपूर्ण बनाता है। एक तरफ अगर ये सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर देती हैं, तो दूसरी तरफ कलाकारों को एक्टिंग का मंच। यहां जाने-माने कलाकार न केवल अपनी रामलीला की यादों को ताजा कर रहे हैं, बल्कि यह भी बता रहे हैं कि बचपन में उन्होंने रामलीला के किन किरदारों से अपनी एक्टिंग की झलक दिखाई थी।

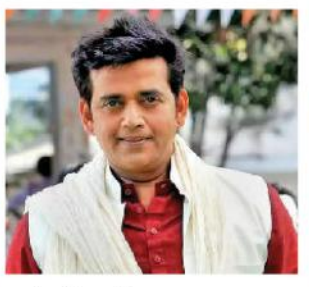

मां की साड़ी पहन कर बना सीता मैयाः रवि किशन

एक अरसे से लोग अयोध्या में होने वाली रामलीला में मुझे सुग्रीव या केवट के किरदारों के जरिए बहुत प्यार देते रहे हैं, मगर मैं आपको बता दूं कि बचपन में वो सीता मैया का ही रोल था, जिसके कारण मैंने अपने पिता की बहुत मार खाई है। मैं उस वक्त नौ-दस साल का रहा होऊंगा, जब मैंने रामलीला में पहली बार भाग लिया था। बात है, जौनपुर की। उस वक्त मैं काफी दुबला-पतला हुआ करता था और बहुत ही सुंदर सीता मैया बना करता था।

रोम रोम में प्रकाशित होने वाली चेतना हैं राम

हम लोग तो रामलीला करते हुए ही पले-बढ़े हैं। यही वजह है कि मैंने रामराज्य नामक किताब भी लिखी। मेरे लिए राम का अर्थ है, रोम-रोम में प्रकाशित होने वाली चेतना। मगर इसी के साथ मुझे खुशी है कि मुझे 'हमारे राम' नाटक में रावण बनने का अवसर प्राप्त हुआ है और यह नाटक बहुत सराहा जा रहा है। मगर जब मैं छोटा था, तब मुझे रावण का चरित्र निभाने का अवसर नहीं मिला कभी। मैं वानर,अंगद, मेघनाद सब कुछ बन चुका हूं। मगर रावण अब जाकर बना। मैं समझता हूं कि आज मैं रावण का चरित्र निभा रहा हूं, तो आज मैं राम और रावण के मर्म को समझ पाया हूं।

रामलीला में भालू बन चुका हूंः विनीत

मैं गाजीपुर बनारस के जिस इलाके से हूं, वो अपनी तमाम रामलीलाओं के लिए मशहूर है। बचपन में गाजीपुर में हमारे गांव में लालटेन लेकर हमें राम कथा सुनाई जाती थी। हम लोग भी अपने बाबा के साथ बैठते थे। मैं ये कैसे भूल सकता हूं कि जब मैं छोटा था, तब एक बार स्कूल की रामलीला में मुझे भालू बनने का मौका मिला था और मैं फूला नहीं समा रहा था।

बार-बार सीता बनने का मौका

ऋषिकेश की होने के नाते रामलीला का अपना महत्व रहा है। बचपन में रामलीला देखना और रामायण का पाठ हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग रहा। मगर कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि भविष्य में जाकर इसका हिस्सा बनूंगी। 2021 में पहली बार मुझे दिल्ली की प्रतिष्ठित लवकुश रामलीला में सीता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके लिए मैं कमिटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी, जो उन्होंने मुझे इस देवी के पात्र के लिए चुना।' 'ये भी कम उल्लेखनीय नहीं है कि रामलीला में 2021 के बाद इस साल भी मैं सीता के रूप में हूं, मगर इससे भी दिलचस्प बात ये है कि 2022 में 'महाभारत' फेम पुनीत इस्सर ने 'रामायण' पर एक ब्रॉडवे शो जय श्री राम रामायण बनाया और उसमें भी सीता मैं ही बनी। मैं सीता को त्याग, समर्पण, धैर्य और पवित्रता की प्रतीक मानती हूं।

खबर संक्षेप

एनबीसीसी की इकाई को मिला 1,000 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी की इकाई हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन को महाराष्ट्र में गोंडवाना विश्वविद्यालय के परिसर के निर्माण के लिए 1,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में गोंडवाना विश्वविद्यालय के परिसर को विकसित करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है।

केनरा ने कर्ज के लिए ब्याज दर 0.05 प्रतिशत बढ़ाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधि की कोष की सीमान्त लागत आधारित ऋण दर में 0.05 प्रतिशत की वृद्धि की है। इससे बैंक के ज्यादातर उपभोक्ता कर्ज महंगे हो गए हैं। केनरा बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि बेंचमार्क एक साल की अवधि की एमसीएलआर को नौ प्रतिशत से बढ़ाकर 9.05 प्रतिशत किया गया है।

बंधन बैंक के शेयर में करीब 12% की तेजी

नई दिल्ली। बंधन बैंक के शेयर में शुक्रवार को करीब 12 प्रतिशत की तेजी आई।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता को तीन साल के लिए बंधन बैंक का प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद बैंक के शेयरों में तेजी आई।

आनंद राठी वेल्थ का मुनाफा 32 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड का सितंबर में समाप्त तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 32 प्रतिशत बढ़कर 76.3 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने एक साल पहले की इसी अवधि में 57.7 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। कुल राजस्व 249.6 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 189.1 करोड़ रुपये से 32 प्रतिशत अधिक है।

आर्केट डेवलपर्स के मुनाफे में चार गुना हुआ इजाफा

मुंबई। शेयर बाजार में हाल ही में सूचीबद्ध हुई रियल एस्टेट कंपनी आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में चार गुना से अधिक होकर 30.21 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 6.57 करोड़ रुपये रहा था।

आईपीओ के लिए ओयो ने शीर्ष नेतृत्व में किया बदलाव

नई दिल्ली। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने को तैयार यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने अपने शीर्ष नेतृत्व दल में पांच लोगों को शामिल करने की शुक्रवार को घोषणा की। सोनल सिन्हा को वैश्विक स्तर पर सीओओ और रचित श्रीवास्तव को यूरोप में ओयो वेकेशन होम्स का सीओओ नियुक्त किया गया है। शशांक जैन प्रौद्योगिकी तथा ऑनलाइन राजस्व प्रमुख का पदभार संभालेंगे और पंखुड़ी सखूजा ट्रॉम तथा फ्लेक्स-स्पेस व्यवसाय इनोव 8 का नेतृत्व करेंगी।

गौतम अदाणी फोर्ब्स रिच लिस्ट 2024 में सबसे बड़े डॉलर गेनर के रूप में उभरे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी फोर्ब्स इंडिया के 100 सबसे अमीर लोगों की सूची में सबसे ज्यादा डॉलर अर्जित करने वाले व्यक्ति के रूप में उभरे। अदाणी परिवार की कुल संपत्ति बढ़कर 116 बिलियन डॉलर हो गई। अपने भाई विनोद अदाणी के साथ गौतम अदाणी 48 बिलियन डॉलर जोड़कर लिस्ट में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

- मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति 119 .5 बिलियन डॉलर हुई

फोर्ब्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि गौतम अदाणी ने 'पिछले साल के शॉर्ट-सेलिंग अटैक' से मजबूत रिकवरी दर्ज की है। यह संपत्ति में 71 प्रतिशत की वृद्धि के बराबर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी की संपत्ति में 27.5 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है, जिससे उनकी कुल संपत्ति 119.5 बिलियन डॉलर हो गई है।

अदाणी परिवार की कुल संपत्ति बढ़कर 116 बिलियन डॉलर हो गई

भारत के 100 अमीर लोगों की कुल संपत्ति एक ट्रिलियन डॉलर पार

फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस रिकॉर्ड तोड़ वर्ष में भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सामूहिक संपत्ति पहली बार एक ट्रिलियन डॉलर के माइलस्टोन को पार कर गई। देश के 80 प्रतिशत से अधिक सबसे अमीर लोग अब एक साल पहले की तुलना में अधिक अमीर हैं और 2019 की तुलना में दोगुने अमीर हैं।

देश के 80 फीसदी और भी अमीर हो गए

देश के 80 प्रतिशत से ज्यादा अमीर लोग और भी ज्यादा अमीर हो गए हैं, जिनमें से 58 ने अपनी-अपनी कुल संपत्ति में एक बिलियन डॉलर या उससे ज्यादा की बढ़ोतरी की है। आधा दर्जन लोगों की संपत्ति में 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा की वृद्धि हुई है। इसमें वे शीर्ष पांच लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने एक ग्रुप के रूप में करीब 120 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी की है। टॉप 12 लिस्ट के सदस्यों के पास ग्रुप की कुल संपत्ति का लगभग आधा हिस्सा है।

सूची में पहली बार महिमा दतला शामिल : इस लिस्ट में नई शामिल हुई महिला महिमा दतला निजी स्वामित्व वाली वैक्सीन निर्माता कंपनी बायोलॉजिकल ई को नियंत्रित करती हैं। वह सूची में शामिल चार नए लोगों में से एक हैं। इनमें जेनेरिक दवाओं और फार्मा सामग्री बनाने वाली हेटेरो लैब्स के संस्थापक बी पार्थसारथी रेड्डी भी शामिल हैं।

सावित्री जिंदल पहली बार लिस्ट में तीसरे नंबर पर

भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल, स्टील से लेकर बिजली तक उत्पादित करने वाले समूह ओपी जिंदल ग्रुप की मुखिया हैं। उनके बेटे सज्जन जिंदल ने हाल ही में एमजी मोटर के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों में एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। सावित्री जिंदल पहली बार लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। वे सूची में शामिल नौ महिलाओं में से एक हैं। वे एक साल पहले आठवें स्थान पर थीं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने जारी किए आंकड़े

देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में 0.1 % घटा, दो साल में पहली बार आई गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

करीब दो साल के अंतराल के बाद अगस्त महीने में देश के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई है। खनन और बिजली क्षेत्रों का प्रदर्शन खराब होने के साथ विनिर्माण क्षेत्र के लगभग स्थिर रहने से अगस्त में औद्योगिक उत्पादन में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को अगस्त, 2024 के लिए औद्योगिक उत्पादन के ये आंकड़े जारी किए। अगस्त, 2023 में औद्योगिक उत्पादन 10.9 प्रतिशत बढ़ा था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन वृद्धि को जुलाई के लिए संशोधित कर 4.7 प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इसके 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

पहले पांच माह में औद्योगिक उत्पादन 4.2 फीसदी रहा

इस तरह चालू वित्त वर्ष के पहले पांच माह (अप्रैल-अगस्त) में औद्योगिक उत्पादन 4.2 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में खनन, विनिर्माण और बिजली क्षेत्र का प्रदर्शन खराब रहने से कुल औद्योगिक उत्पादन में गिरावट आई है।

विनिर्माण क्षेत्र लगभग स्थिर रहने का असर पड़ा

बुनियादी ढांचे में 1.9 फीसदी की वृद्धि

बुनियादी ढांचे/ निर्माण वस्तुओं में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 15.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में अगस्त में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक साल पहले इसमें 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मध्यवर्ती वस्तुओं के खंड में अगस्त, 2024 में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई।

- खनन और बिजली क्षेत्रों का प्रदर्शन खराब रहा
- अगस्त, 2023 में औद्योगिक उत्पादन 10 .9 प्रतिशत बढ़ा था

बिजली क्षेत्र में 3.7 फीसदी की गिरावट रही : इस दौरान खनन क्षेत्र में 4.3 प्रतिशत और बिजली क्षेत्र में 3.7 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर सिर्फ एक प्रतिशत रही। एनएसओ ने कहा कि अगस्त में संभवतः भारी बारिश की वजह से खनन क्षेत्र का उत्पादन प्रभावित हुआ।

पूंजीगत उत्पाद खंड की वृद्धि दर घटी : देश के औद्योगिक उत्पादन आंकड़ों में पिछली गिरावट अक्टूबर, 2022 में देखी गई थी। उस समय आईआईपी में 4.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन घटा

गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन 4.5 प्रतिशत घटा है जबकि अगस्त, 2023 में इसमें 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन की वृद्धि भी समीक्षाधीन महीने में धीमी होकर 5.2 प्रतिशत रह गई जबकि अगस्त, 2023 में यह छह प्रतिशत बढ़ा था।

बारिश के कारण खनन उत्पादन रहा प्रभावित

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि अगस्त महीने में आईआईपी का मामूली रूप से घटना सामान्य से अधिक बारिश होने से खनन उत्पादन, बिजली की मांग और खुदरा ग्राहकों की संख्या में अस्थायी कमी को दर्शाता है। इसके अलावा प्रतिकूल आधार प्रभाव की भी इसमें भूमिका रही है।

सितंबर में बढ़ने की उम्मीद

हालांकि, नायर ने उम्मीद जताई कि त्योहारी मौसम से पहले जीएसटी ई-वे बिलों में वृद्धि तेज होने और अनुकूल आधार प्रभाव की वजह से सितंबर में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर लगभग तीन-पांच प्रतिशत हो जाएगी।

हुंडई इंडिया के आईपीओ लाने का उद्देश्य परिचालन को अधिक भारतीय करना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया के आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मकसद अपने परिचालन का अधिक भारतीयकरण करना है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को यह बात कही।

- अनुषंगी कंपनी को विदेशी बाजार में सूचीबद्ध करने का पहला उदाहरण

हुंडई के लिए 27,870 करोड़ रुपये का यह आईपीओ अपनी अनुषंगी कंपनी को विदेशी बाजार में सूचीबद्ध करने का पहला उदाहरण है हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) का आईपीओ देश के इतिहास में सबसे बड़ी सार्वजनिक पेशकश है। आईपीओ 15 अक्टूबर को बोली के लिए खुलेगा और 17 अक्टूबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक 14 अक्टूबर को शेयरों के लिए बोली लगाएंगे। एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने बताया, ''हम भारत में 26 साल से अधिक समय से हैं।

भारत का सबसे भरोसेमंद ब्रांड बनना

गर्ग ने आगे कहा, ''वास्तव में हमारा मकसद भारत का सबसे भरोसेमंद ब्रांड बनना है।'' वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि कंपनी ने आईपीओ के लिए किसी दूसरे देश की जगह भारत को ही क्यों चुना। उन्होंने कहा, ''भारत एक देश के रूप में बहुत अच्छा कर रहा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि बहुत अच्छी है, और यह वैश्विक जीडीपी वृद्धि दर से बहुत अधिक है।''

चालू वित्त वर्ष में लघु वित्त बैंकों की लाभप्रदता में कमी आने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) के आधार पर मापी जाने वाली लघु वित्त बैंकों (एसएफबी) की लाभप्रदता चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 0.4 प्रतिशत घटकर करीब 1.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसकी मुख्य वजह शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में कमी तथा ऋण लागत में वृद्धि है।

- लाभप्रदता घटकर करीब 1.7 फीसदी रहने का अनुमान
- इसकी मुख्य वजह एनआईएम में कमी तथा ऋण लागत में वृद्धि

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा, लघु वित्त बैंकों के लिए आरओए अब भी समग्र बैंकिंग प्रणाली की तुलना में 0.5-0.6 प्रतिशत अधिक रहेगा, क्योंकि उनकी ऋण पुस्तिका की प्रतिफल प्रकृति अपेक्षाकृत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने पिछले महीने लघु वित्त बैंकों से सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने को कहा था कि जोखिम को समय रहते कम किया जाए। उन्होंने टिकाऊ व्यापार मॉडल के महत्व पर भी प्रकाश डाला था और डिजिटल खतरों से बचाव के लिए साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया था।

अस्थिरता को कम करने पर ध्यान

रिपोर्ट में कहा गया, '' एसएफबी मुख्य वृद्धि रणनीति के रूप में खंड आधारित विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कई ने लघु वित्त ऋणदाताओं के रूप में शुरुआत की है, इसलिए विविधीकरण मुख्य रूप से सुरक्षित परिसंपत्ति वर्गों (मुख्य रूप से संपत्ति की एवज में ऋण, आवास ऋण तथा वाहन ऋण) की ओर रहा है, ताकि परिसंपत्ति की गुणवत्ता तथा आय में संभावित अस्थिरता को कम किया जा सके।''

निवेशकों के सतर्क रुख के बीच सेंसेक्स 230 अंक टूटा

मुंबई। औद्योगिक उत्पादन के अहम आंकड़े आने से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का रुख रहा। बीएसई सेंसेक्स 230 अंक और एनएसई निफ्टी 34 अंक के नुकसान में रहा। विश्लेषकों ने कहा कि बैंक, उपयोगिता क्षेत्र और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से दोनों मानक सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख और विदेशी कोषों की निकासी जारी रहने से भी निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 230.05 अंक यानी 0.28 प्रतिशत गिरकर 81,381.36 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 307.26 अंक गिरकर 81,304.15 अंक के निचले स्तर पर आ गया था।

सितंबर में एलआईसी का नया कारोबार प्रीमियम 14% बढ़ा

- नई पॉलिसी जारी कर कुल 35,020 करोड़ रुपए किए संग्रहित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जीवन बीमा कंपनियों ने सितंबर में नई पॉलिसी जारी कर कुल 35,020 करोड़ रुपये का प्रीमियम संग्रह किया जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि है। उद्योग निकाय 'जीवन बीमा परिषद' की तरफ से जारी मासिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

एक साल पहले इसी महीने में जीवन बीमा कंपनियों का नई पॉलिसी से प्रीमियम संग्रह 30,716 करोड़ रुपये रहा था। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में नई पॉलिसी का प्रीमियम संग्रह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1,58,377 करोड़ रुपये से 19 प्रतिशत बढ़कर 1,89,214 करोड़ रुपये हो गया। व्यक्तिगत उपभोक्ताओं की तरफ से बीमा सुरक्षा की मांग मजबूत रहने से पिछले महीने नई पॉलिसियों में सालाना आधार पर 45.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

निजी क्षेत्र का प्रीमियम 12 फीसदी बढ़ा

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी ने सितंबर में 20,369 करोड़ रुपये का नया प्रीमियम जुटाया, जो 25 प्रतिशत की वृद्धि है। निजी क्षेत्र का कुल प्रीमियम 12 प्रतिशत बढ़कर 73,664 करोड़ रुपये हो गया जबकि एक साल पहले इसी महीने में 65,734 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे।

एयर इंडिया ने एयरबस को 85 और विमानों का ऑर्डर दिया...

नई दिल्ली। टाटा समूह के नियंत्रण वाली एयर इंडिया ने परिचालन विस्तार की योजनाओं को देखते हुए एयरबस को 85 और विमानों का ऑर्डर दिया है जिसमें 10 ए350 विमान भी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि एयरबस को दिए गए 85 विमानों के ऑर्डर में 75 संकरे आकार वाले ए320 श्रृंखला के विमान हैं जबकि 10 चौड़े आकार वाले ए350 विमान हैं। इस घटनाक्रम पर एयर इंडिया और एयरबस की तरफ से कोई भी टिप्पणी नहीं आई है। यूरोपीय विमान विनिर्माता एयरबस ने बुधवार को कहा था कि उसे इस साल सितंबर तक 667 विमानों के लिए ऑर्डर मिले हैं। उसे इनमें से एक ऑर्डर पांच सितंबर को 85 विमानों के लिए मिला था लेकिन उसने एयरलाइन का नाम उजागर नहीं किया था। सूत्रों के मुताबिक, बोइंग को 85 विमानों का यह ऑर्डर एयर इंडिया ने ही दिया है।

सितंबर में खाद्य तेलों का आयात 29 प्रतिशत घटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सितंबर में भारत का खाद्य तेलों का आयात सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 10,64,499 टन रह गया। कच्चे और रिफाइंड पाम तेल का आयात कम रहने से खाद्य तेल आयात में गिरावट आई है।

- कम आयात से घटकर 10 .64 लाख टन पर
- रिफाइंड पाम तेल का आयात में भी गिरावट

उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले साल इसी महीने में खाद्य तेलों का आयात 14,94,086 टन था। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने शुक्रवार को सितंबर के लिए वनस्पति तेलों (खाद्य और अखाद्य दोनों) के आयात के आंकड़े जारी किए। सितंबर में अखाद्य तेलों का आयात सालाना आधार पर 57,940 टन से घटकर 22,990 टन रह गया। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में वनस्पति तेलों का आयात एक साल पहले के 15,52,026 टन की तुलना में 30 प्रतिशत घटकर 10,87,489 टन रह गया। एसईए के आंकड़ों से पता चला कि खाद्य तेल श्रेणी में कच्चे पाल तेल का आयात इस साल सितंबर में घटकर 4,32,510 टन रह गया, जो पिछले साल इसी महीने में 7,05,643 टन था।

इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने सावधान रहने कहा

खतरे में मोजिला फायरफॉक्स यूजर्स, सरकार ने दी चेतावनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगर आप भी वेब ब्राउजिंग के लिए मोजिला फायरफॉक्स का इस्तेमाल करते हैं, तो सावधान हो जाइए। केंद्र सरकार ने मोजिला फायरफॉक्स यूज करने वाले यूजर्स के लिए नई चेतावनी जारी की है और सेफ रहने की सलाह दी है। दरअसल, केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाले इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सर्ट-इन) द्वारा जारी की गई नई रिस्क एडवाइजरी ब्राउजर और संबंधित प्रोडक्ट्स में कुछ गंभीर खामियों को उजागर करती है। सिक्योरिटी नोट के अनुसार, ब्राउजर एक बड़ा खतरा पैदा करता है और अगर हैकर्स इसका फायदा उठाते हैं तो संवेदनशील डेटा का नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही, सरकार ने यूजर्स से अपने डिवाइस की सेफ्टी के लिए तुरंत एक्शन लेने के लिए भी कहा है।

- हैकर्स इसका फायदा उठाते हैं तो संवेदनशील डेटा का नुकसान हो सकता है

सॉफ्टवेयर लेटेस्ट वर्जन में अपग्रेड करे

अपने सिस्टम और सेलफोन को इस तरह के हमलों से बचाने के लिए, सर्ट ने यूजर्स को अपने सॉफ्टवेयर को लेटेस्ट वर्जन में अपग्रेड करने की सलाह दी है। ब्राउजर ने कई अलर्ट भी जारी किए हैं, जो खामियों के लिए उपाय प्रदान करते हैं। सेफ रहने के लिए तुरंत अपने मोजिला फायरफॉक्स ब्राउजर को लेटेस्ट वर्जन में अपडेट करें।

सेफ्टी फीचर्स को बाइपास कर सकते हैं

हैकर्स क्रॉस-ओरिजिन हमलों का फायदा उठाकर, जाली फाइल नामों का उपयोग करके डाउनलोड की गई फाइलों की असलियत को छिपाकर, मलिशियस इंटरफेस के साथ कम्युनिकेशन करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक का उपयोग करके फोल्डर्स को अपलोड करके, डॉस अटैक, मेमोरी सुरक्षा खामियों आदि के माध्यम से सिस्टम के सेफ्टी फीचर्स को बाइपास कर सकते हैं।

सबसे ज्यादा खतरा फायर फॉक्स के इन वर्जन पर

सर्ट के एडवाइजरी नोट के अनुसार, प्रभावित वर्जन में फायरफॉक्स, फायरफॉक्स इएसआर और थंडरबर्ड शामिल हैं। खतरा मोजिला फायरफॉक्स 131 से पहले के वर्जन, फायरफॉक्स इएसआर (एक्सटेंटेड सपोर्ट रिलीज) 128.3 और 115.16 से पहले के वर्जन और थंडरबर्ड 128.3 और 131 से पहले के वर्जन में मौजूद है। मोबाइल और पीसी दोनों ही यूजर्स इन खतरों से प्रभावित हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.58 अरब डॉलर चढ़कर 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चार अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.51 अरब डॉलर घटकर 612.64 अरब डॉलर रह गईं।

यूरोपीय स्पेस एजेंसी के वैज्ञानिकों ने किया कमाल: चंद्रमा पर रिसर्च करना था, वैज्ञानिकों ने जर्मनी में कोलोन के पास धरती पर बना डाला हूबहू 'चांद'

ज्वालामुखी चट्टानों से बनाया चांद जैसा वातावरण

मून मिशन पर कई देश काम कर रहे हैं, इनमें भारत, अमेरिका, रूस और चीन का नाम सबसे ऊपर है। ये चार देश अब तक चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग भी कर चुके हैं। भारत इनमें चौथा है जो पिछले साल ही ये सफलता पाने वाला देश बना था।

एजेंसी ▶▶ न्यूयार्क

मून पर रिसर्च करने के लिए एक स्पेस एजेंसी ने अपना खुद का चांद बना दिया। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में ये अब तक का उठाया गया सबसे बड़ा कदम है। इसके लिए ज्वालामुखी चट्टानों का प्रयोग किया गया है जो चांद के वातावरण से मिलती जुलती हैं। ये कारनामा कोई और नहीं बल्कि यूरोपीय स्पेस एजेंसी के वैज्ञानिकों ने किया है। वह चंद्रमा पर रहने और काम करने के लिए चुनौतियों को समझने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसके लिए वे धरती पर ही चंद्रमा की सतह की एक रेप्लिका यानी प्रतिकृति बना रहे हैं। फिलहाल इसे जर्मनी में कोलोन के पास बनाया जा रहा है, जिसमें जर्मन एयरोस्पेस सेंटर भी सहयोग कर रहा है।

चांद जैसी सतह तकरीबन 700 वर्ग मीटर तक फैली

अभी नासा पर निर्भर है ईएसए

नासा और ईएसए कई मिशनों पर साथ काम कर रहे हैं, इनमें आर्टिमिस मिशन सबसे महत्वपूर्ण है। दूसरा ईएसए के लिए ये अपना मिशन लांच करने की दिशा में भी अहम साबित हो सकता है। दरअसल अब तक ईएसए अपने एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष में भेजने के लिए नासा पर निर्भर है, लेकिन चंद्रमा की रेप्लिका पर काम करने से ईएसए चांद पर अपना खुद का मिशन डिजाइन कर सकता है।

900 टन ज्वालामुखी चट्टान से किया निर्माण

यूरोपीय स्पेस एजेंसी चांद की रेप्लिका को बनाने में 900 टन ज्वालामुखी की चट्टान इस्तेमाल कर रही है। चांद की सतह के जैसी बनी ये सतह तकरीबन 700 वर्ग मीटर तक फैली है। ये ठीक उसी वातावरण का अनुसरण करती है, जैसा कि चांद पर है। यूरोपीय स्पेस एजेंसी के वैज्ञानिकों के मुताबिक इसकी जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि मून पर रिसर्च कर रहे वैज्ञानिकों के लिए एक ऐसी लैब की आवश्यकता थी, जिसमें वह चांद की परिस्थितियों को फील करके चंद्रमा की चट्टानी जमीन पर रिसर्च कर सकें।

चंद्रमा की सतह जैसा ही माहौल

यूरोपीय स्पेस एजेंसी के एस्ट्रोनोट अलेक्जेंडर ने इस परियोजना की पहल की थी। इसमें उन्होंने बताया कि धरती पर चंद्रमा जैसा वातावरण तैयार करने से चांद पर रिसर्च में मदद मिलेगी।

नासा वैज्ञानिक भी ले रहे प्रशिक्षण

इस लैब में ईएसए के साथ नासा के अंतरिक्ष यात्री भी प्रशिक्षण ले रहे हैं। यहां चंद्रमा की परिस्थितियों में काम करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके प्रमुख जुएर्गन कहते हैं कि यहां तक 900 टन ज्वालामुखी चट्टान है।

चंद्र मिशन पर काम कर रहे कई देश

चंद्र मिशन पर कई देश काम कर रहे हैं, इनमें भारत, अमेरिका, रूस और चीन का नाम सबसे ऊपर है। ये चार देश अब तक चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग भी कर चुके हैं। भारत इनमें चौथा है जो पिछले साल ही ये सफलता पाने वाला देश बना था। इसके अलावा यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) भी चंद्रमा के मिशनों में भाग ले रही है। ईएसए चंद्रमा की कक्षा में शोध और नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम में सहयोग कर रही है। जापान भी कतार है, माना जा रहा है कि जापान भारत के चंद्रयान-4 मिशन में सहभागिता कर सकता है।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान को चुभ गई भगोड़े जाकिर की बात

कराची। पाकिस्तान को भगोड़ा इस्लामी प्रचारक जाकिर नाइक को अपना मेहमान बनाना भारी पड़ गया।

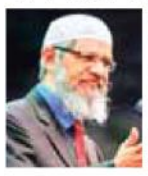

जाकिर ने पाकिस्तान में ही राष्ट्रीय एयरलाइंस पीआईए की बुराई की है। इसको लेकर पाकिस्तान में उसका विरोध शुरू हो गया है। पाकिस्तान के इंटरनेट मीडिया पर जाकिर नाइक के विरोध का सैलाब आ गया। दरअसल जाकिर एयरपोर्ट पर लगेज पर सौ फीसदी डिस्काउंट चाहते थे। उन्होंने अपने भाषण में भारत में सामान मुफ्त में ले जाने देते हैं। इस पर पाकिस्तान के लोगों को मिर्ची लगी और सोशल मीडिया पर जाकिर नाइक का विरोध शुरु हो गया। इसके बाद तमाम वीडियो वायरल होने लगे।

लाओस से वापस स्वदेश लौटे पीएम नरेंद्र मोदी

विएंतियाने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाओस की अपनी 2 दिवसीय

सार्थक यात्रा पूरी करने के बाद स्वदेश लौट आए हैं। इस यात्रा में उन्होंने भारत-आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों में भाग लिया। वह लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्स सिफानडोन के निमंत्रण पर लाओस पीडीआर की यात्रा पर पहुंचे थे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लाओ पीडीआर का धन्यवाद! यह एक फलदायी यात्रा रही है, जो आसियान के साथ संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। हम मिलकर इस क्षेत्र में शांति, समृद्धि के लिए काम करना।

भारत के इंडो पैसिफिक विज़न और क्वाड सहयोग के केंद्र में आसियान

समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं बल्कि बातचीत से निकालने की जरूरत

एजेंसी ▶▶ ननई दिल्ली

पीएम ने कहा कि विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। सभी चाहते हैं कि यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो।

टाइफून यागी से प्रभावित लोगों के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदनाएं जताई। उन्होंने कहा इस कठिन घड़ी में ऑपरेशन सद्भाव के जरिये हमने मानवीय सहायता उपलब्ध कराई है। साथियों भारत ने हमेशा से आसियान एकता और केंद्रीयता का समर्थन किया है। भारत के इंडो पैसिफिक विज़न और क्वाड सहयोग के केंद्र में भी आसियान है। भारत के भारत-प्रशांत महासागरीय पहल और आसियान भारत-प्रशांत पर दृष्टिकोण के बीच गहरी समानताएं हैं। एक फ्री, ओपन, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित इंडो-पैसिफ़िक पूरे क्षेत्र की शांति और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिण चीन सागर की शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो-पैसिफ़िक क्षेत्र के हित में है। हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां अन्क्लोस के अंतर्गत संचालित होनी चाहिए। नेविगेशन की आजादी और एयर स्पेस सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक ठोस और प्रभावी नियम बनाया जाना चाहिए। और इसमें क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश नहीं लगाए जाने चाहिए।

थाईलैंड की पीएम से मिले पीएम मोदी

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ

एक पड़ोसी देश के नाते भारत अपना दायित्व निभाता रहेगा

हमारी दृष्टि विकासवाद की होनी चाहिए न कि विस्तारवाद की

पीएम मोदी ने पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा,लाओ पीडीआर प्रेसीडेंट थोंगलोन से मुलाकात की। मोदी ने तूफान मिल्टन के कारण हुई जनहानि पर सचिव ब्लिंकन को अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

आतंकवाद भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती

पीएम ने कहा कि संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए बातचीत और कूटनीति को प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा। आतंकवाद भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करना ही होगा। साइबर और समुद्री स्पेस के क्षेत्रों में आपसी सहयोग को भी बल देना होगा। नालंदा का पुनरुद्धार ईस्ट एशिया सम्मेलन में की गई हमारी कमिटमेंट थी। इस वर्ष जून में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन करके हमने इसे पूरा किया है। मैं यहां उपस्थित सभी देशों को नालंदा में होने वाले उच्च शिक्षा सम्मेलन प्रमुख के रूप में आमंत्रित करता हूं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं

पीएम ने कहा कि हमारी दृष्टि विकासवाद की होनी चाहिए न कि विस्तारवाद की। म्यांमार की स्थिति पर हम आसियान दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम फाइव प्वाइंट कन्सेन्सस का भी समर्थन करते हैं। साथ ही हमारा मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और लोकतंत्र की बहाली के लिए उपयुक्त कदम भी उठाए जाने चाहिए। हमारा मत है कि इसके लिए म्यांमार को अलग-थलग नहीं बल्कि शामिल करना होगा। एक पड़ोसी देश के नाते भारत अपना दायित्व निभाता रहेगा। विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। सभी चाहते हैं कि यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो। मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है।

ईरान को चाहिए रूस से हथियार

इजराइल-ईरान तनाव के बीच पुतिन से मिले ईरानी राष्ट्रपति

दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

एक हफ्ते पहले रूस के पीएम, ईरानी राष्ट्रपति से मिले थे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह मुलाकात तुर्कमेनिस्तान में आयोजित एक कार्यक्रम से इतर हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब इजराइल ईरान के बीच तनाव चरम पर है। यही वजह है कि इस मुलाकात की काफी चर्चा है। गौरतलब है कि एक हफ्ते पहले ही रूस के प्रधानमंत्री ने भी ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान और उपराष्ट्रपति रेजा अरेफ से ईरान में मुलाकात की थी।

दोनों नेताओं की मुलाकात के क्या हैं मायने?

सोवियत संघ के समय में ईरान और रूस एक दूसरे के कट्टर आलोचक थे, लेकिन मौजूदा समय की बदली परिस्थितियों में दोनों देश करीब आ गए हैं। दोनों देशों पर लगे पश्चिमी प्रतिबंधों ने दोनों देशों को करीब लाने में अहम भूमिका निभाई है। अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते ईरान को एक ऐसे ताकतवर देश की जरूरत है, जो उन्हें हथियारों की सप्लाई कर सके। वहीं, यूक्रेन युद्ध के चलते अलग-थलग पड़े रूस को ईरान के रूप में एक मजबूत सहयोगी मिला है। सीरिया में भी दोनों देशों के साझा हित हैं और रूस सीरिया की मौजूदा सरकार को सत्ता में बने रहने में मदद कर रहा है।

ईरान को सीरिया का समर्थन

वहीं, ईरान की सरकार का भी सीरियाई सरकार को समर्थन है। इजराइल द्वारा सीरिया पर हमले किए जा रहे हैं। पश्चिमी देश भी सीरिया की मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाना चाहते हैं। ऐसे में सीरिया के मुद्दे पर ईरान और रूस एक पेज पर हैं। दोनों देशों के बीच नजदीकी की ये भी एक वजह है। बीते दिनों ईरान द्वारा इजराइल पर हवाई हमला किया गया था। जिसके बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी थी। अमेरिका ने भी इजराइल का समर्थन करने का ऐलान किया है। ऐसे में ईरान भी रूस के साथ अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है ताकि युद्ध की स्थिति में हथियारों की आपूर्ति की समस्या न रहे।

सीमा पार लॉन्चिंग पैड पर कर रहे इंतजार

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के इंतजार में हैं 150 से भी ज्यादा आतंकवादी

एजेंसी ▶▶ जम्मू

कश्मीर घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा के उस पार (पीओके) करीब 150 से ज्यादा आंतकी लॉन्चपैड पर इंतजार कर रहे हैं।

इस बात की जानकारी बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। बीएसएफ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि करीब 150 आतंकवादी सर्दियों के करीब आने के बाद कश्मीर घाटी में घुसपैठ करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार लॉन्च पैड पर इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा बल ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे।

समन्वय से शांति

उन्होंने कहा कि लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की संख्या आमतौर पर 130 और 150 के बीच होती है, कभी-कभी यह थोड़ी अधिक भी हो सकती है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर समन्वय बनाया था। उन्होंने कहा कि खतरे की कई सूचनाएं थीं।

300 किमी की रफ्तार से चली हवा, घर की छत उड़ी

अमेरिका में तूफान से 14 की मौत, कई परिवार हो गए बेघर

एजेंसी ▶▶ फ्लोरिडा

अमेरिका के दक्षिण पूर्व में स्थित फ्लोरिडा में इस वक्त कुदरत जमकर कहर बरपा रही है। 300 किलोमीटर की रफ्तार से आए तूफान हरिकेन मिल्टन के चलते अब तक राज्य में 14 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर जाना तक पड़ गया है। 37 साल की क्रिस्टल कोलमैन और उनकी 17 साल की बेटी तूफान के दौरान बाथरूम में छिप गईं क्योंकि घर की छत को उखाड़ना शुरू कर दिया था।

आरएसएस के पदाधिकारी ने पूछा

आप बताएंगे- हरिद्वार और 12 ज्योतिर्लिंग किस जाति के हैं?

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवक विजय दशमी के मौके पर पथ संचलन के लिए जयपुर के त्रिवेणी नगर स्थित सामुदायिक केंद्र में एकत्रित हुए। यहां पर आरएसएस पदाधिकारी सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा, 'जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर होता है। क्या कोई बता सकता है कि हरिद्वार किस जाति का है? 12 ज्योतिर्लिंग किसी जाति के हैं? क्या देश के अलग-अलग हिस्सों में 51 शक्तिपीठ किसी जाति के हैं? साथ ही भैयाजी जोशी ने सवाल देते हुए कहा कि जो लोग खुद को हिंदू मानते हैं और देश के सभी हिस्सों में रहते हैं।

गलत है तो बदलें

वे इन सभी को अपना मानते हैं। फिर विभाजन कहां है। जिस तरह से राज्यों की सीमाएं हमारे बीच कोई विभाजन पैदा नहीं कर सकती हैं। उसी तरह जन्म के आधार पर चीजें हमें विभाजित नहीं कर सकती हैं। इसके साथ ही संघ के भैयाजी जोशी ने कहा कि अगर कोई गलत धारणा है, तो उसे बदलना होगा।

पीएम मोदी ने किया था भेंट

बांग्लादेश में माता का मुकुट हुआ चोरी, भारत ने सुनाई खरी-खरी

एजेंसी ▶▶ ढाका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में सतखीरा के श्यामनगर में जेशोरेश्वरी मंदिर में काली माता को मुकुट भेंट किया था। इस मुकुट की सुरक्षा बांग्लादेश की यूनुस सरकार नहीं कर पाई और माता का मुकुट चोरी हो गया। इस घटना पर भारत ने कड़ा ऐतराज जताया है। भारत ने बांग्लदेश से दो टूक कहा है कि इस घटना की जांच कराई जाए और दोषियों को सजा मिले।

बांग्लादेश में अराजकता

बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद से ही अराजकता का माहौल है। यही कारण है कि सतखीरा के श्यामनगर में जेशोरेश्वरी मंदिर से काली माता का मुकुट चोरी हो गया। यह चोरी गुरुवार को दोपहर 2 बजे से 2.30 बजे के बीच हुई थी, जब मंदिर के पुजारी दिलीप मुखर्जी दिन की पूजा के बाद घर चले गए। बाद में सफाई कर्मचारियों ने जब देखा तो काली माता के सिर से मुकुट गायब मिला। मुकुट चोरी की इस घटना पर बांग्लादेश में जांच शुरू हो गई है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट में इस तरह का आंकड़ा पहली बार जारी किया गया

कलंकित मानवता : दुनिया में हर 8 में 1 बच्ची यौन हिंसा का शिकार

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

हर पांच में से 1 बच्ची का बालिग होने से पहले ही यौन उत्पीड़न की हो जाती है शिकार

संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी ने यौन हिंसा को लेकर अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें बताया गया है कि अफ्रीका में उप सहारा देशों में तकरीबन 79 मिलियन यानी 7.9 करोड़ बच्चियां यौन हिंसा का शिकार हुई हैं। इस रिपोर्ट में दुनिया भर में यौन आधारित हिंसा का शिकार हुई बच्चियों का आंकड़ा भी जारी किया गया है जो बेहद भयावह है।दुनियाभर में हर आठ में से एक बच्ची यौन हिंसा का शिकार हो रही है। इन बच्चियों पर सबसे ज्यादा अत्याचार अफ्रीका में हो रहा है। ये हैरान करने वाला आंकड़ा यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट में सामने आया है। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी ने यौन हिंसा को लेकर अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें बताया गया है कि अफ्रीका में उप सहारा देशों में तकरीबन 79 मिलियन यानी 7.9 करोड़ बच्चियां यौन हिंसा का शिकार हुई हैं।

वैश्विक स्तर पर चौंकाने वाले आंकड़े

अफ्रीका के उप सहारा देशों में 7.9 करोड़ बच्चियों का यौन उत्पीड़न झेलना एक भयावह आंकड़ा है। हालांकि वैश्विक स्तर पर यह और चौंकाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक यौन उत्पीड़न झेलने वाली बच्चियों की संख्या दुनिया भर में तकरीबन 370 मिलियन (37 करोड़) है।

लड़कों को भी फंसाते हैं

लड़कियां ही नहीं लड़कों का भी हो रहा यौन उत्पीड़न

यूएन की बाल इकाई की ओर से जारी रिपोर्ट में दावा किया है कि यौन उत्पीडन से लड़कियां और महिलाएं अधिक प्रभावित हैं, लेकिन लड़कों को भी इसका शिकार बनाया गया है।

कहां-कितनी बच्चियां प्रभावित?

रिपोर्ट के मुताबिक अफ्रीका के उप सहारा में 7.9 करोड़, बच्चियां और महिलाएं प्रभावित हैं। इसके बाद पूर्वी और दक्षिणी पूर्वी एशिया का नाम है, जहां 7.5 करोड़, मध्य और दक्षिण एशिया में 7.3 करोड़, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में 6.8 करोड़, लैटिन अमेरिका और कैरीबियाई क्षेत्रों में 4.5 करोड़, उत्तरी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में 2.9 करोड़ और ओशिनिया में 6 करोड़ बच्चियां और महिलाएं यौन हिंसा से पीड़ित हैं।

ये हमारी अंतरआत्मा पर धब्बा

बाल यौन अपराधों पर आधारित इस रिपोर्ट को यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने अंतरआत्मा पर एक धब्बा बताया है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट आघात पहुंचाने वाली है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)